राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 264 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 26 जुलाई 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

जितनी निंदा की जाए कम : मौलाना तौकीर रजा

बरेली। संसद में मानसून सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव की ओर से संसद भवन के पास स्थित मस्जिद में कथित तौर पर बैठक करने पर सियासी घमासान मचा हुआ है। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि अगर मस्जिद के अंदर बैठक की गई है तो इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। मस्जिद में किसी भी तरह की सियासत मंजूर नहीं है। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी, जो उस मस्जिद के इमाम भी हैं उन्हें भी ध्यान देना होगा कि मस्जिद इबादत की जगह है न कि वहां पर बैठकें आयोजित की जाए।मुस्लिम धर्मगुरुओं के अलावा इस पूरे मामले में भाजपा समाजवादी पार्टी पर हमलावर है और अखिलेश यादव के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करने की चेतावनी भी दी है। वहीं, सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी के खिलाफ भी विरोध किया जा रहा है। इस पूरे मामले में हो रही सियासत के बीच कई मुस्लिम धर्मगुरुओं ने निंदा की है। बातचीत के दौरान मौलाना तौकीर रजा ने कहा कि मैंने इसके बारे में सुना है और कुछ तस्वीरें भी वायरल हुई हैं।

नए उपराष्ट्रपति के लिए थावरचंद गहलोत, ओम माथुर का नाम सबसे आगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने के बाद निर्वाचन आयोग ने इस पद के लिए चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग का कहना है कि चुनाव की तारीखें जल्द घोषित की जाएंगी। इस बीच, भाजपा इस पद के लिए अपनी विचारधारा के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को उम्मीदवार बना सकती है। जिन नामों पर पार्टी में चर्चा चल रही है, उनमें कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं व सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर का भी नाम शामिल है। आयोग ने इस पद के लिए निर्वाचक मंडल, रिटर्निंग ऑफिसर और अन्य जरूरी चीजों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। आयोग की तैयारियों के बीच भाजपा की कोशिश होगी कि इस पद का उम्मीदवार किसी अन्य सहयोगी को बनाने की जगह अपने उम्मीदवार का नाम तय कर उसके नाम पर सहयोगी दलों को राजी करे।

हमारे लिए हमेशा दोस्ती पहले आती है...

हर संकट में भारत ने मालदीव का साथ दिया-पीएम मोदी

माले/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दो दिवसीय के दौरे पर मालदीव पहुंचे। पीएम मोदी का माले के वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शानदार स्वागत किया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच कई समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। भारत ने प्रधानमंत्री की मालदीव यात्रा के दौरान नए समझौता ज्ञापन के तहत मालदीव को 4,850 करोड़ की लोन सहायता प्रदान की है। संयुक्त प्रेस वार्त को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ...सबसे पहले मैं भारत की जनता की ओर से मालदीव की स्वतंत्रता की 60वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक अवसर पर राष्ट्रपति और वहां की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देना चाहता हूं। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुझे मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए मैं राष्ट्रपति जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष भारत और मालदीव अपने राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं, लेकिन हमारे संबंधों की जड़ें समुद्र जितनी गहरी हैं। आज जारी किए गए स्मारक डाक टिकटों में दोनों देशों की पारंपरिक नौकाओं को प्रदर्शित किया गया है। यह दर्शाता है कि हम न केवल पड़ोसी हैं, बल्कि सह-यात्री भी हैं। हमारे लिए हमेशा दोस्ती पहले आती है। नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'महासागर' विजन में मालदीव का महत्वपूर्ण स्थान है। भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगे कहा, पिछले साल अक्टूबर में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की भारत यात्रा के दौरान हमने व्यापक आर्थिक और समुद्री साझेदारी पर एक दृष्टिकोण साझा किया था। अब यह एक वास्तविकता बन रहा है। यह उसी का परिणाम है कि हमारे संबंध नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। कई परियोजनाओं का उद्घाटन संभव हो पाया है। भारत के सहयोग से निर्मित 4000 सामाजिक आवास इकाइयां मालदीव के कई परिवारों के लिए एक नई शुरुआत बनेंगी। ये उनके नए घर होंगे। ग्रेटर माले कनेक्टिविटी परियोजना, अड्डू रोड विकास परियोजना और हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का पुनर्विकास जैसी परियोजनाओं के चलते मालदीव आर्थिक केंद्र के रूप में उभरेगा। जल्द ही नौका प्रणाली की शुरुआत के साथ विभिन्न द्वीपों के बीच आवागमन आसान हो जाएगा।

भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव दौरे के दौरान दोनों देशों के गहरे संबंधों की बात कही. पीएम मोदी ने कहा कि भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और सबसे भरोसेमंद मित्र भी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा मालदीव को सभी भारत वासियों की ओर से स्वतंत्रता के 60 वर्षों की ऐतिहासिक वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं दी. उन्होंने इस ऐतिहासिक मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के लिए राष्ट्रपति मुइज्जू का आभार जताया. उन्होंने कहा कि आज जारी किया गया डाक टिकट दर्शाता है कि हम केवल पड़ोसी नहीं हैं, सहयात्री भी हैं.

जाति जनगणना अब राहुल का मिशन

कांग्रेस शासन में जाति जनगणना न कराना मेरी गलती-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में कांग्रेस के 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संबोधित किया। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि मैं 2004 से राजनीति में हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो मुझे लगता है कि मैंने गलती की। मैंने ओबीसी की उस तरह रक्षा नहीं की जैसी मुझे करनी चाहिए थी। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं उस समय आपके मुद्दों को गहराई से नहीं समझ पाया। उन्होंने कहा कि मुझे अफसोस है कि अगर मुझे आपके (ओबीसी) इतिहास, आपके मुद्दों के बारे में

थोड़ा भी पता होता, तो मैं उसी समय जाति जनगणना करा लेता। यह मुझसे हुई गलती है। यह कांग्रेस पार्टी की गलती नहीं है, यह मेरी गलती है। मैं उस गलती को सुधारने जा रहा हूं। राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने काम के बारे में सोचता हूं कि मैंने कहां ठीक काम किया और कहां कमी रह गई, तो मुझे 2-3 बातें दिखती हैं। जमीन अधिग्रहण बिल, मनरेगा, भोजन का अधिकार, ट्राइबल बिल, नियामगिरी की लड़ाई, ये सारे काम मैंने ठीक किए। जहां तक आदिवासियों, दलितों, महिलाओं के मुद्दे हैं, वहां मुझे अच्छे नंबर मिलने चाहिए। मैंने अच्छा काम किया। कांग्रेस पार्टी और मेरे काम में एक कमी रह गई- मुझे ओबीसी वर्ग की जिस तरह से रक्षा करनी थी। मैंने नहीं की। इसका कारण है कि मुझे ओबीसी के मुद्दे उस वक्त गहराई से नहीं समझ आए थे। 10-15 साल पहले दलितों के सामने जो कठिनाईयां थीं, वो मुझे समझ आ गई थीं।

दिल्ली, यूपी व गुजरात में बड़े हमले की साजिश नाकाम

नई दिल्ली। गुजरात एटीएस ने एक बड़े अंतर-राज्यीय ऑपरेशन में अल-कायदा के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए चार संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां गुजरात, दिल्ली और नोएडा से की गई हैं। जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि यह मॉड्यूल पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के इशारे पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के खिलाफ भारत में माहौल बिगाड़ने और दिल्ली, यूपी व गुजरात में बड़े आतंकी हमलों की तैयारी कर रहा था। गुजरात एटीएस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए आतंकी 'अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट से जुड़े हैं। इनका मुख्य काम भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के खिलाफ पाकिस्तान के पक्ष।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग मामला

जांच समिति के लिए स्पीकर लेंगे सीजेआइ गवई की राय

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की सिफारिशें न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नेतृत्व में आरोपों की जाँच के लिए जाँच समिति के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी। इस मामले से परिचित लोगों के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव सदन में पहुँचने के बाद, अध्यक्ष द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर पैनल में शामिल किए जाने वाले न्यायाधीशों के नामों पर सुझाव माँगना प्रथागत है। इस मामले में स्पीकर ओम बिरला मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई से

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति के लिए सुप्रीम कोर्ट के एक वर्तमान न्यायाधीश और एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के नाम की सिफारिश करने के लिए कह सकते हैं। यह घटनाक्रम न्यायमूर्ति वर्मा द्वारा पूर्व में की गई आंतरिक जाँच के निष्कर्षों को चुनौती देने के लिए शुरू की गई कानूनी कार्यवाही के बीच हुआ है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने संकेत दिया कि न्यायमूर्ति वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई के लिए एक विशेष पीठ गठित की जाएगी जिसमें तीन न्यायाधीशों वाली समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी गई है। समिति ने उनके आधिकारिक आवास से भारी मात्रा में नकदी बरामद होने के बाद उन्हें दोषी पाया था। यह मामला मुख्य न्यायाधीश गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ के समक्ष आया।

ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस का बयान

शस्त्र के साथ शास्त्र का भी ज्ञान जरूर...

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी संगठनों के खिलाफ भारत का सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर जारी है और सेनाएं दूसरी तरफ से किसी भी दुस्साहस के लिए चौबीसों घंटे तैयार हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी है; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस

चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि हम प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास से प्रेरित एक अभूतपूर्व गति देख रहे हैं।

दिल्ली में बाढ़ का खतरा, यमुना उफान पर, पहाड़ों में भूस्खलन से तबाही

नई दिल्ली। देश भर में मानसून ने रौद्र रूप ले लिया है, जिससे उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान पर बह रही है, तो वहीं पहाड़ी राज्यों हिमाचल और उत्तराखंड में मूसलाधार बारिश और भूस्खलन ने तबाही मचा रखी है। मुंबई समेत कई राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। राजधानी दिल्ली पर बाढ़ का संकट मंडरा रहा है। यमुना का जलस्तर लगातार बढ़ने से खतरे के निशान तक पहुँच गया है, जिसके चलते कई निचले इलाकों में पानी घुसना शुरू हो गया है।

गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट

जम्मू-कश्मीर में एलओसी के पास लैंड माइन ब्लास्ट सेना का एक जवान शहीद और दो जवान घायल.....

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर शुक्रवार को बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का एक जवान शहीद हो गया, जबकि दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, जब बारूदी सुरंग विस्फोट हुआ, तब जवान कृष्णा घाटी के सामान्य क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस घटना में 7 जाट रेजिमेंट के ललित कुमार नामक अग्निवीर जवान शहीद हो गए, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) सहित दो अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि घायलों को एक सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनकी

हालत स्थिर बताई जा रही है। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' (जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था) पर पोस्ट किया जीओसी सव्हाइटनाइट कोर और सभी रैंक 7 जाट रेजिमेंट के अग्निवीर ललित कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने 25 जुलाई 2025 को सकृष्णाघाटी ब्रिगेड के सामान्य क्षेत्र में एक माइन विस्फोट के बाद एरिया डोमिनेशन गश्त के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया था। उन्होंने आगे कहा कि हम इस दुख की घड़ी में शोक संतप्त परिवार के साथ खड़े हैं। जम्मू-कश्मीर में बारूदी सुरंग विस्फोट कोई नई बात नहीं है। इसी साल मई में भी ऐसी ही एक घटना हुई थी और पुंछ ज़िले में नियंत्रण रेखा पर एक बारूदी सुरंग विस्फोट में एक जवान घायल हो गया था। अधिकारियों के अनुसार, दिगवार सेक्टर के अग्रिम इलाके में गश्त के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हुआ। घुसपैठ रोधी बाधा प्रणाली के तहत, अग्रिम इलाकों में बारूदी सुरंगें बिछी होती हैं, जो कभी-कभी बारिश में बह जाती हैं, जिससे ऐसी दुर्घटनाएँ होती हैं। अधिकारियों ने बताया कि घायल हवलदार को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

छत से टपकता था पानी फिर भी बच्चों को बैठाया गया

झालावाड़ में स्कूल की छत गिरी,प्रार्थना कर रहे आठ मासूमों की मौत;पांच शिक्षक निलंबित.....

झालावाड़/ एजेंसी

राजस्थान के झालावाड़ जिले के पिपलोदी गांव में शुक्रवार सुबह स्कूल की छत गिरने से दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक सरकारी स्कूल की बिल्डिंग की छत अचानक गिर गई, जिससे स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रार्थना सभा के दौरान हुई इस घटना में 8 बच्चों की मौत हो गई है। शिक्षा विभाग ने पांच शिक्षकों को निलंबित किया है। जानकारी के अनुसार स्कूल में हादसा उस वक्त हुआ जब प्रार्थना चल रही थी। हादसे के समय स्कूल के शिक्षक भवन के बाहर थे। जबकि छात्र स्कूल भवन के अंदर प्रार्थना कर रहे थे। इस वजह से शिक्षक हादसे का शिकार नहीं हुए हैं। इस हादसे में करीब 27 बच्चे घायल हुए हैं । इनमें से 8 की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल बच्चों को झालावाड़ के अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। स्कूल की छत गिरने के बाद गांव वालों ने मलबे से बच्चों को निकालना शुरू किया।

इसके बाद जेसीबी मशीन की मदद ली गई। स्कूल की छत काफी समय से जर्जर हो रही थी और लगातार हो रही भारी बारिश के बाद छत के गिरने का अंदेशा भी बना हुआ था। इसके बाद भी इस पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा मासूम बच्चों की जान चली गई। गंभीर घायल बच्चों को झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मलबा हटाने में रेस्क्यू टीम के साथ ग्रामीण भी पूरी तरह से लगे रहे। झालावाड़ जिला कलक्टर अजय सिंह राठौर ने कहा कि सभी बच्चों को बाहर निकाल लिया गया है। इस हादसे में अब तक 8 बच्चों की मौत हो गई है। बच्चों को मलबे से बाहर निकालने वाले बनवारी, जो बच्चों को लेकर अस्पताल भी पहुंचे। घटना के चश्मदीद बनवारी ने बताया कि बच्चे स्कूल में जाकर बाहर वापस बाहर निकलने लगे थे। फिर उनको स्कूलों में जबरन अंदर भेजा गया। इसके बाद भवन की छत भरभराकर गिर गई। बच्चे उसी में दब गए। हम सब बचाने के लिए भागे। जैसे तैसे मलबा हटाकर बच्चों को निकालना शुरू किया। स्कूल जर्जर था। हम गांव वालों ने शिकायत भी की थी। स्कूल की छत से पानी टपकता था। शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद भी बच्चों को स्कूल में बैठाया जा रहा था।

संसद में गतिरोध समाप्त होने के आसार

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा को लेकर बनी सहमति...

नई दिल्ली। संसद में गतिरोध खत्म होने के आसार हैं क्योंकि सरकार ने शुक्रवार को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सोमवार से विशेष बहस कराने पर सहमति जताई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा सदन के कामकाज पर चर्चा के लिए सभी दलों के नेताओं की बैठक बुलाए जाने के बाद यह सहमति बनी। बैठक में आम सहमति बनाने के प्रयास जारी थे। बैठक में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी मौजूद थे। विपक्ष ने विशेष चर्चा की मांग की थी, न कि नियम 193 के तहत, क्योंकि नियम 193 के

तहत चर्चा का मतलब होगा कि सरकार ने प्रस्ताव पेश किया है और दिखाया है कि उसने ऑपरेशन का जश्न मनाया है। सूत्रों के अनुसार, नेताओं ने बिहार में मतदाता सूची संशोधन और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों और उनके महाभियोग पर भी चर्चा की।

संक्षिप्त समाचार

भंवरपुर मे सब्जी बनने में देरी को लेकर पुत्र ने पिता पर किया वार, मामला दर्ज

बसना(समय दर्शन)। घरेलू विवाद में लाठी-डंडों से मारपीट की गंभीर घटना चौकी भंवरपुर क्षेत्र के इन्द्रानगर में सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 24 जुलाई 2025 की सुबह लगभग 11 बजे पुक सिंह सिदार (उम्र 55 वर्ष), निवासी इन्द्रानगर भंवरपुर का अपने बेटे दिनेश सिदार (उम्र 22 वर्ष) से भोजन को लेकर विवाद हो गया। पुक सिंह ने बताया कि बेटा भोजन मांग रहा था, लेकिन सब्जी बनने में समय लग रहा था। इसी बात पर दोनों के बीच बहस बढ़ गई। आरोप है कि गाली-गलौज करते हुए दिनेश सिदार ने लाठी-डंडों से अपने पिता पर हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई और खून बहने लगा। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस चौकी भंवरपुर ने प्रार्थी की लिखित शिकायत पर अपराध क्रमांक 0/25 धारा 296, 115(2), 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही शुरू कर दी है। घटना का प्रत्यक्षदर्शी बड़कु देवांगन है। पुक सिंह सिदार का कहना है कि वह घायल हैं और अभी भी भयभीत हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है

गुमशुदा की तलाश मे सहयोग की अपील

बसना (समय दर्शन)। बसना क्षेत्रांर्गत के मोहन प्रजापति..उम्र 65 वर्ष है ,जो कि ग्राम बिलखड़ ग्राम पंचायत दलदली थाना बसना जिला महासमुंद छत्तीसगढ़ का मूल निवाशी है। यह व्यक्ति दिनांक 22 /7/2025 दिन मंगलवार को घर से सुहब 4 बजे से लापता है। जिस भी व्यक्ति को मिले,या दिखे तो कृपया इस नंबर पर तुरंत संपर्क कर गुमशुदा की तलाश में अमूल्य सहयोग प्रदान करें .. 9131820578 7697867621

गुम इंसान की तलाश की अपील

महासमुन्द(समय दर्शन)। गुमसुदगी नाम सुन्दर सिंह ठाकुर.निवासी वार्ड क्र. 9 नयापारा स्वास्थ केन्द्र नयापारा के पास। गुम इंसान सुन्दर सिंह विगत तीन माह से लापता है। अपने रिस्तेदार व चित परिचित के लोगों के यहाँ पता करने पर अब तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है । विनीत नोहर सिंह ठाकुर का कहना है कि,गुम इंसान कहीं किसी भी सज्जन को दिखें या मिले तो कृपया निम्न नंबर मे फोनकर सूचित कर पुण्य का कार्य करें । पता बताने वाले को उचित इनाम दिया जायेगा। परिवार का संपर्क नंबर 9617308797

टिकेन्द्र वर्मा चुने गए प्रथमिक शाला रवेली के शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष

पाटन। शासकीय प्राथमिक शाला रवेली में शाला प्रबंधन समिति का गठन किया। मुख्य रूप से सरपंच लता वर्मा और शिक्षक गण मौजूद रहे जिसमें सर्व सम्मति से टिकेंद्र वर्मा को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष श्रीमती लुकेश्वरी साहू, शिक्षा विद जागेश्वर साहू, संयोजक चिंता राम, कोषाध्यक्ष अमर नाथ वर्मा, सदस्यों में संदीप वर्मा, मिलन विश्वकर्मा, भीम सिंह साहू, रमेश साहू, लोकेश्वरी साहू, चमेली साहू, मालती साहू, जानकी यादव, दीपिका ठाकुर, सविता निषाद शामिल है।

निधन : गोपाल सिंह नेताम

ग्राम मनकी निवासी श्री गोपाल सिंह नेताम सेवानिवृत्त व्याख्याता शिक्षाविद् अखिल भारतीय गोंड आदिवासी समाज अट्ठारहगढ़ के पूर्व केंद्रीय सदस्य एवं छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना जिला महासमुन्द के सलाहकार सर्व छत्तीसगढ़िया समाज में एक मृदुभाषी मिलनसार दूरदृष्टा सनातनी धार्मिक सामाजिक वरिष्ठ जन के रूप में क्षेत्र पहचाने जाते थे। जिनका विगत दिनांक 24.072025 को 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया । अपने पीछे भरा-पुरा परिवार छोड़ गए वे स्वास्थ्य कार्यकर्ता दुर्गासिंह नेताम एवं भूपेन्द्र सिंह नेताम शिक्षक के पिताजी थे। जिनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में सर्व समाज जन सम्मिलित हुए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा बना दलदल, गर्भवती महिलाओं और मरीजों की जान जोखिम में, जनप्रतिनिधियों की चुप्पी शर्मनाक

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन (नंदिनी अहिवारा): सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अहिवारा का मुख्य द्वार इन दिनों बदहाल हालत में है। बारिश के कारण पूरे परिसर में कीचड़ और पानी जमा हो गया है, जिससे अस्पताल में आने-जाने वाले मरीजों, खासकर गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस अव्यवस्था का जीता-जागता प्रमाण तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है, जो प्रशासन की उदासीनता और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को उजागर करता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह स्थिति नई नहीं है, हर साल बारिश में यही हाल होता है, लेकिन इसके समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। गौर करने वाली बात यह है कि यह स्वास्थ्य केंद्र जीवन दीप समिति के अंतर्गत आता है, जिसके अध्यक्ष स्वयं माननीय विधायक हैं। बावजूद इसके अब तक कोई कार्यवाही नहीं होना गंभीर चिंता का विषय है। पालिका अध्यक्ष और पार्षदगण की चुप्पी ने आम जनता को निराश किया है। लगता है जैसे जनप्रतिनिधियों का दायित्व सिर्फ कुर्सी तक ही सीमित रह गया है। नागरिकों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि जब आम जनता इस कदर समस्याओं से जूझ रही है, तब उनके चुने हुए प्रतिनिधि मूकदर्शक क्यों बने हुए हैं?

स्वास्थ्य केंद्र, जो मरीजों के लिए राहत का केंद्र होना चाहिए, आज स्वयं बीमार व्यवस्था का शिकार है। यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही का प्रतीक है, बल्कि जनता के साथ एक क्रूर मजाक भी।

जनता की मांग है कि: परिसर की तत्काल सफाई और समतलीकरण किया जाए।

पक्के रास्ते का निर्माण हो ताकि बारिश में कीचड़ और जलजमाव से राहत मिले।

जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह ठहराया जाए।

अब सवाल यह उठता है ङ्क क्या सत्ता में बैठे लोग तब ही जागेंगे जब किसी गर्भवती महिला या मरीज के साथ कोई बड़ा हादसा हो जाएगा?

नंदिनी जामा मस्जिद में किया गया उमराह शरीफ पर जाने वालो का इस्तकबाल

होमम सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। मुस्लिम समाज नंदिनी नगर के द्वारा उमराह शरीफ (मक्का मदीना की यात्रा) पर जाने वाले नुरानी जामा मस्जिद, नंदिनी नगर के इमाम हाफिज़ व कारी मोहम्मद फ़रीद साहब और जनाब शेख शफीक साहब का बाद नमाजे जुमा दिनांक 25/05/2025 को नुरानी जामा मस्जिद में इस्तकबाल किया गया। इस अवसर पर नुरानी जामा कमेटी के सदर (अध्यक्ष) श्री शान मोहम्मद, उपाध्यक्ष शेख बसर, कमेटी मेम्बर नसीम अंसारी, मोहम्मद इजरान, अहमद अंसारी, मोहम्मद तौकीर, मोहम्मद नाहीद खान, रईस कौशर, जमशेद मोहम्मद, सरवर अली और बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग मौजूद थे। मुस्लिम समाज के अध्यक्ष शान मोहम्मद ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इमाम हाफिज़ व कारी मोहम्मद फ़रीद साहब और जनाब शेख शफीक साहब को उमराह शरीफ पर मुस्लिम समाज नंदिनी के हाजी शेख ईदु साहब द्वारा भेजा जा रहा है और ये दोनों हजरात उमराह शरीफपर दिनांक 28/07/2025 प्रात: 9 बजे नुरानी जामा मस्जिद नंदिनी नगर से रवाना होंगे।

किरंदुल में जामुन का विशाल पेड़ गिरने से हड़कंप, एनएमडीसी कर्मचारी घायल

पुराने पेड़ के गिरने से दुकानों को नुकसान,

खतरे में झुका आम का पेड़, किरंदुल में रात 9 बजे गिरी जामुन की विशाल शाखा, व्यापारी बाल-बाल बचे

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा के किरंदुल में मुख्य मार्केट गुरुवार रात करीब 9:00 बजे एक पुराना विशाल जामुन का पेड़ अचानक गिर गया, जिससे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस घटना में आसपास की ठेला-टपरी दुकानों को काफी नुकसान हुआ। एक एनएमडीसी कर्मचारी भी घायल हो गया, जिसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया और वहां से उसे आगे के इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। स्थानीय फुटकर व्यापारी रामचंद्र सोनकर ने बताया कि घटना रात 8:45 बजे के आसपास हुई। उस समय वह अपनी टपरी में ही थे और पेड़ के गिरने से बाल-बाल बचे। उन्होंने बताया कि एक ठेले ने उन्हें सुरक्षा प्रदान की, जिसके सहारे वह सुरक्षित बाहर निकल सके। रामचंद्र ने यह भी चेतावनी दी कि जामुन के पेड़ के पास ही एक और विशाल आम का पेड़ है, जो एक तरफझुका हुआ है। यह पेड़ भी कभी गिर सकता है, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से इस ओर तत्काल ध्यान देने और आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी गंभीर समस्या से बचा जा सके।

सावन के अवसर पर दिव्यांगजन अस्पताल परिसर में हुआ वृक्षारोपण

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सावन माह के शुभ अवसर पर नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन, राजनांदगांव द्वारा दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र (सीआरसी) हॉस्पिटल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण व हरियाली को बढ़ावा देने की दिशा में संस्था का एक सकारात्मक प्रयास रहा।

कार्यक्रम में नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन के पदाधिकारियों व सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण के प्रति अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से संस्था की महिला प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा, दिव्यांगजन हॉस्पिटल के एडमिन नितिन देवांगन, जिला अध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव, महिला विंग की जिला अध्यक्ष मधुबाला श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डॉ. तरुण रामटेके, जिला उपाध्यक्ष रेणुका साहू, जिला महासचिव रितु रायजादा, जिला सचिव विनोदिनी मारकंडे, सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, मीडिया प्रभारी अंकित बालाजी और जिला विधिक सलाहकार कुसुम दुबे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संस्कार सिटी कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ठाकुरटोला के प्रशिक्षणार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ किया गया। नागरिक सुरक्षा सेवा फाउंडेशन द्वारा उठाया गया यह कदम न केवल हरियाली को बढ़ावा देने वाला प्रयास रहा, बल्कि यह समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने का एक प्रेरणास्पद संदेश भी बन गया।

मोटरसाइकिल चोरी और फर्जी दस्तावेजों के साथ बिक्री करने वाला गैंग पकड़ा गया

दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा में गीदम पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गीदम पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिलों के गैंग का किया भंडाफोड़

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा में अपराधों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक गौरव राय के निर्देशन में गीदम पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदित पुष्कर और आर.के. बर्मन के मार्गदर्शन तथा एसडीओपी गोविंद दीवान के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक विजय पटेल के नेतृत्व में यह ऑपरेशन चलाया गया।

24 जुलाई 2025 को वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रोका गया। जांच में चालक के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले और वाहन का पंजीयन नंबर एक कार से संबंधित पाया गया। पूछताछ में मुख्य आरोपी गुलशन नाहटा (निवासी गीदम) ने स्वीकार किया कि वह अपने गैरेज के पीछे चोरी की मोटरसाइकिलें छिपाता था। उसने खुलासा किया कि वह हैदराबाद से चोरी की मोटरसाइकिलें—स्पलेंडर, बुलेट और पल्सर—लाकर अपने साथियों कैलाश निषाद (निवासी जगदलपुर) और रिज्जू के.जे. (निवासी गीदम) के साथ मिलकर फर्जी नंबर प्लेट और ऋष्ट बुक बनवाकर उन्हें बेचता था।

आरोपी की निशानदेही पर पांच मोटरसाइकिलें (दो बुलेट, दो स्पलेंडर, एक पल्सर) बरामद की गईं, जिनकी अनुमानित कीमत 7.5 लाख रुपये है। फर्जी दस्तावेज बनाने में इस्तेमाल प्रिंटर और अन्य सामग्री भी जब्त की गई।

थाना गीदम में अपराध क्रमांक 73/2025 के तहत BNS की धारा 303(2), 317(2), 336(2), 340(2), 345(2)(3), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। तीन आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर दंतेवाड़ा न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधिकारी और कर्मचारी: उपनिरीक्षक शशिकांत यादव, सहायक उपनिरीक्षक संतोष यादव, सहायक उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह, प्रधान आरक्षक राजकुमार सिंह (341), प्रधान आरक्षक मनोज भारद्वाज (634), आरक्षक केशव पटे (308)।

सफलता के लिए लक्ष्य, समर्पण और अनुशासन जरूरी - कलेक्टर

कड़ी मेहनत और लगन से अपने भविष्य को संवारें विद्यार्थी - एसपी, ''पहल'' बदलाव की शुरुआत सुरक्षा और संस्कार के साथ शिक्षक-शिक्षार्थी कार्यशाला आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) बच्चों के चरित्र निर्माण, नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मुंगेली पुलिस द्वारा एक अभिनव पहल की शुरुआत की गई। पहल शिक्षक-शिक्षार्थी कार्यशाला के रूप में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को जिम्मेदार, अनुशासित और जागरूक नागरिक बनाना है। यह आयोजन स्वामी आत्मानंद स्कूल दाउपारा में सम्पन्न हुआ, जहां 23 स्कूलों के कक्षा 09वीं और 11वीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में स्वामी आत्मानंद स्कूल और कस्तूरबा गांधी विद्यालय के छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़-नाटक में नशे की लत से होने वाली पारिवारिक कलह को दिखाते हुए समाज को नशामुक्ति का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर कुन्दन कुमार ने बच्चों को जीवन में लक्ष्य, अनुशासन और समर्पण की अहमियत बताते हुए कहा, कि पढ़ाई में डर, ज़िद और जुनून होना सफलता की कुंजी है। ''रील से दूर रहिए और रियल लाइफ में जीना शुरू कीजिए।'' उन्होंने विद्यार्थियों से सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग पर बल देते हुए अपने यूपीएससी का अनुभव साझा किए और बताया कि उन्होंने इंटरनेट का उपयोग केवल ज्ञानवर्धन के लिए किया। कलेक्टर ने उदाहरण के रूप में जिले के अर्पण जैन का उल्लेख किया, जिन्होंने हाल ही में यूपीएससी में 323 अंक अर्जित कर जिले का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ऐसी सफलता के लिए लक्ष्य, समर्पण और अनुशासन जरूरी है। उन्होंने बच्चों को सजग, जिम्मेदार और अनुशासित रहकर समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने कहा कि ''पहल'' कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों को चयनित कर उन्हें साइबर सुरक्षा, नशा मुक्ति और अनुशासन के महत्व से परिचित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को मोबाइल के दुरुपयोग और गलत संगत से बचना चाहिए तथा कड़ी मेहनत और लगन से अपने भविष्य को संवारना चाहिए। उन्होंने बताया कि चयनित विद्यार्थियों को स्कूल का प्रतिनिधि बनाकर अनुशासन, स्वच्छता और नैतिक मूल्यों के लिए प्रेरित किया जाएगा। यह अनुभव उनके सम्पूर्ण जीवन में उपयोगी सिद्ध होगा। इस दौरान कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को विद्यार्थियों ने रक्षासूत्र भी बांधा। कार्यशाला के समापन में छात्राओं की सृजनात्मक अभिव्यक्ति और सामाजिक समझ को सराहते हुए कलेक्टर एवं एसपी ने प्रेरणा स्वरूप पेन भेंट कर सम्मानित किया।

बता दें कि ''पहल'' केवल नशा विरोधी अभियान नहीं, बल्कि एक सामाजिक नवजागरण की शुरुआत है। इसका उद्देश्य छात्रों को सशक्त बनाकर उनमें सामाजिक जिम्मेदारी, आत्मनिर्भरता और नैतिक मूल्यों की भावना विकसित करना है। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के समन्वय से संचालित यह कार्यक्रम आने वाले समय में हजारों विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में निर्णायक सिद्ध होगा। इस दौरान स्कूल के प्राचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

रक्त-मित्र पुस्तिका का विमोचन, रेडक्रॉस के आजीवन सदस्यों का सम्मान

बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए संकल्पित है सरकार : विष्णु देव साय

रायपुर (वीएनएस)। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जो न केवल किसी जरूरतमंद को जीवनदान देता है, बल्कि मानवता के प्रति हमारी सेवा भावना का श्रेष्ठतम उदाहरण भी है। मुख्यमंत्री साय शुक्रवार को जशपुर जिले के ग्राम बगिया में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्त-मित्र डायरेक्ट्री एक ऐतिहासिक और सराहनीय पहल है, जिसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति समय पर रक्तदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित कर सकता है। यह पहल जीवनरक्षक सहायता को सहज, सुलभ और समयबद्ध बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि मुझे यह देखकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि जशपुर जिले में हर वर्ग के नागरिक स्वैच्छिक रक्तदान और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी कर रहे हैं और समाज सेवा में अपना बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। आज रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ, क्योंकि जीवनदान देने वाला व्यक्ति वास्तव में ईश्वर के समकक्ष होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि रक्त का हमारे जीवन में क्या महत्व है। सही समय पर उपयुक्त रक्त समूह का रक्त मिलने से किसी के प्राणों की रक्षा की जा सकती है, इसलिए रक्तदान को 'महादान' कहा गया है। राज्य में रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से सर्वाधिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है, जो जनसेवा की उत्कृष्ट मिसाल है। मैं इस मंच से प्रदेशवासियों से आह्वान करता हूँ कि वे यथासंभव रक्तदान कर इस जीवनरक्षक कार्य में सहभागी बनें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कैम्प कार्यालय बगिया में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जशपुर के आजीवन सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए और रक्त-मित्र पुस्तिका का विमोचन किया। इस दौरान उन्होंने नीरज शर्मा, अजय कुमार कुशवाहा और शिव नारायण सोनी को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि रक्त-मित्र डायरेक्ट्री, जिला प्रशासन एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, जिला जशपुर की एक अभिनव पहल है, जिसके अंतर्गत 480 स्वैच्छिक रक्तदाताओं के नाम एवं मोबाइल नंबर सूचीबद्ध किए गए हैं। इस डायरेक्ट्री के माध्यम से जब भी किसी मरीज को रक्त की आवश्यकता होगी, वह सीधे सूची में दिए गए नंबरों पर संपर्क कर रक्त प्राप्त कर सकता है। इस प्रयास से रोगियों को इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और उन्हें समय पर रक्त मिल सकेगा। यदि कोई व्यक्ति या समाजसेवी रक्त-मित्र बनना चाहता है, तो वह डायरेक्ट्री में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन कर गूगल फॉर्म भर सकता है। साथ ही, कलेक्टर एवं अध्यक्ष, भारतीय रेडक्रॉस जिला मुख्यालय, जशपुर (कलेक्ट्रेट परिसर, कक्ष क्रमांक 122) में संपर्क कर भी रक्त-मित्र के रूप में पंजीयन कर सकता है।

इस कार्यक्रम में सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगाँव विधायक श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह, डिप्टी कलेक्टर हरिओम द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा, रेडक्रॉस सोसायटी के रूपेश प्राणी ग्राही, अनेक जनप्रतिनिधि और आम नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री साय ने आधुनिक एम्बुलेंस को दिखायी हरी झंडी

ग्रामीण इलाकों को मिलेगा आपातकालीन स्वास्थ्य लाभ

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को जशपुर जिले के ग्राम बगिया स्थित कैम्प कार्यालय परिसर से अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह एम्बुलेंस बैंक ऑफ इंडिया द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) निधि से प्रदत्त है, जिसमें बेसिक लाइफ सपोर्ट सिस्टम सहित अन्य उन्नत सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। यह एम्बुलेंस मुख्य रूप से मनोरा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रखी जाएगी, जिसकी सेवाएँ आवश्यकता अनुसार पूरे जिले में ली जा सकेंगी। इससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित चिकित्सा परिवहन सेवा सुनिश्चित हो सकेगी, जिससे खासकर ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में गंभीर रूप से बीमार एवं दुर्घटनाग्रस्त मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सहायता मिल सकेगी। इस अवसर पर सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष श्रीमती गोमती साय, जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, नगर पालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, कलेक्टर रोहित व्यास, सहित अनेक जनप्रतिनिधिगण, प्रशासनिक अधिकारी, और नागरिक उपस्थित थे।

रेरा ने लोविना कोर्ट्स प्रोजेक्ट की खरीदी-बिक्री पर लगाई रोक

रायपुर। छत्तीसगढ़ रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (सीजी रेरा) ने बिलासपुर स्थित लोविना कोर्ट्स परियोजना में भूखंडों और मकानों की खरीदी-बिक्री पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का अंतरिम आदेश जारी किया है। यह कार्रवाई रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) अधिनियम, 2016 की धारा 4(2)(1)(क) के उल्लंघन के पर की गई है। उल्लेखनीय है कि इस धारा के तहत प्रमोटर को प्रोजेक्ट के अंतर्गत आवंटियों से प्राप्त कुल राशि का कम से कम 70 प्रतिशत भाग एक अलग बैंक खाते में रखना अनिवार्य है। इस राशि का उपयोग केवल निर्माण कार्य और भूमि की लागत जैसे निर्धारित उद्देश्यों के लिए ही किया जा सकता है। यह व्यवस्था घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा और धन के अनुचित उपयोग को रोकने के लिए की गई है। प्राधिकरण ने पाया कि लोविना कोर्ट्स प्रोजेक्ट के प्रमोटर द्वारा इस नियम का उल्लंघन किया गया है, जिससे वित्तीय पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। परिणामस्वरूप, सीजी रेरा ने परियोजना के अंतर्गत किसी भी प्रकार की नई खरीद-फरोख्त, पंजीयन या लेन-देन पर रोक लगा दी है। सीजी रेरा के अनुसार यह आदेश तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि प्रमोटर द्वारा सभी दस्तावेज प्रस्तुत कर उल्लंघनों का समाधान नहीं किया जाता और प्राधिकरण द्वारा निर्धारित शर्तों की पूर्ति नहीं कर दी जाती। यह त्वरित कार्रवाई रेरा की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है जिसके तहत वह घर खरीदारों की पूंजी की सुरक्षा, निर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और प्रमोटरों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सतर्कता से कार्य कर रहा है। इस सख्त कदम से अन्य डेवलपर्स को भी यह स्पष्ट संदेश मिलेगा कि रेरा के प्रावधानों का पालन अनिवार्य है और किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय गौ क्रांति मंच का संगठनात्मक विस्तार, 11 ज़िलों में गौसेवकों की नियुक्ति

रायपुर। गौमाता की सेवा और संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय गौ क्रांति मंच के छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा 20 जुलाई को रायपुर स्थित बंजारी मंदिर गौशाला, गुरुकुल विद्यालय में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के 11 ज़िलों में गौसेवकों की नियुक्ति की गई और संगठनात्मक विस्तार को धरातल पर उतारते हुए सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

11 ज़िलों में बना मजबूत ढांचा

कार्यक्रम में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बेमेतरा, राजनांदगांव, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, कोरबा, महासमुंद और धमतरी ज़िलों में गौसेवकों और गौ रक्षकों की नियुक्ति की गई। इन सभी जिलों में संगठन की स्थानीय इकाइयों का निर्माण कर गौ सेवा अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

मंच पर रहे प्रमुख अतिथि

इस आयोजन में हरिभाई जोशी, मनमंत शर्मा, प्रेमशंकर गौतिया और गोपालजी सुलतानिया बतौर अतिथि शामिल हुए और उन्होंने गौ सेवा के महत्व और इसकी सामाजिक जिम्मेदारी पर विचार साझा किए।

संगठन का नेतृत्व

कार्यक्रम की अगुवाई प्रांत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल और प्रांत महामंत्री राजा पांडेय ने की। इनके साथ नामदेव राय (प्रांत महामंत्री), राकेश केसारवानी (प्रांत उपाध्यक्ष), अमरदीप शर्मा (गौ रक्षा संयोजक), प्रीतम साहू (गौ सेवा संयोजक), सत्येन्द्र सिंह परमार (प्रवक्ता) और नितेश तिवारी (मीडिया प्रभारी) की सक्रिय भूमिका रही।

जल्द आएगा शेष जिलों का अपडेट

कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि शेष बचे जिलों में भी नियुक्तियाँ पूर्ण हो चुकी हैं, जिनकी औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी।

संकल्प: गौ सेवा को बनाएंगे जीवन मिशन

कार्यक्रम के समापन पर सभी पदाधिकारियों और नव-नियुक्त गौसेवकों ने यह संकल्प लिया कि वे गौमाता की सेवा और रक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य मानकर निस्वार्थ भाव से सतत कार्य करेंगे। इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ में गौ सेवा अभियान को नई ऊर्जा और संगठनात्मक धार प्रदान की है, जिसकी गूंज प्रदेश भर में सुनाई दे रही है।

तन, मन और स्वजन से दुःख पाता है ग़लत काम करने वाला : मनीष सागर

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में जारी चातुर्मासिक प्रवचनमाला में गुरुवार को उपाध्याय प्रवर युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि व्यक्ति जब गलत काम करता है तो तन से, धन से और स्वजन से दुख पाता है। आपको कार्य क्षेत्र में लोभ होगा, लेकिन लालच में नहीं पड़ना चाहिए। लोभ इतना मत रखना कि विवेक लुप्त हो जाए। लोभ की सीमा रखो। परिग्रह की सीमा रखो। बहुत लालच में ना आओ। बहुत महत्वाकांक्षी मत बनो, जिससे आपका विवेक लुप्त हो जाए।

उन्होंने कहा कि फुर्सत के समय में हमेशा धर्म कार्य करते रहना चाहिए। जीवन में परिस्थितियां तो आपको विचलित करेगी लेकिन विचलित नहीं होना है। धर्म ही आपको संबल देगा। धर्म की प्रेरणा से आप कहीं भी रहोगे, आप शांत रहोगे और विवेकी रहोगे। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि गलत मार्ग पर चलने वालों को आनंद नहीं मिलता। कभी-कभी व्यक्ति के कर्म अगले जन्म तक इंतजार नहीं करते। इस जन्म में ही फल दे देते हैं। कर्म तो तत्काल भी फल देते हैं। केवल धन-दौलत कमाने के लिए अपना अमूल्य मनुष्य जीवन नहीं खोना है। आप कितनी भी समृद्धि अर्जित कर लें, वह मृत्यु के बाद दो पल भी आपकी नहीं रहेगी। इसलिए भीतर की जिंदगी सुधारना चाहिए। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि परिस्थितियां कभी स्थिर नहीं रहती। हम सोचते हैं अच्छा चल रहा है वह चलता ही रहेगा और बुरा सुधर जाएगा। यह अपनी कल्पना ही रहती है। हकीकत में यह कुछ और ही होता है। इसे हम नहीं जानते इसलिए हमारी कल्पनाएं बहुत मजबूत होती है कि उसमें देव,गुरु और धर्म की ताकत भी कभी-कभी कमजोर हो जाती है क्योंकि हमारी कल्पना की ताकत बहुत होती है। उपाध्याय भगवंत ने बताया कि 28 जुलाई से 5 दिन का तप आरंभ हो रहा है। इस पचरंगी तप में प्रतिदिन नए तप होंगे। पहले दिन 28 जुलाई को निवि होगा। 29 जुलाई को एकसना होगा। 30 तारीख को आयम्बिल। 31 जूलाई को बियासना होगा और 1 अगस्त को उपवास होगा। यह पांच दिवसीय तप होगा। इस तरह से पंचकल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। 28 जुलाई को च्यवन कल्याणक की कल्पना करेंगे। 29 जुलाई को भगवान नेमिनाथ भगवान का जन्म कल्याणक, 30 जुलाई को दीक्षा कल्याणक, 31 जुलाई को कैवल्य ज्ञान और 1 अगस्त को भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक अवसर आएगा। इस महोत्सव में हम सब तप और आराधना से जुड़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों को किया सम्मानित

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने शुक्रवार को जशपुर जिले के ग्राम बगिया में आयोजित सम्मान समारोह में स्वच्छता दीदियों को साड़ी, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जशपुर एक प्राकृतिक रूप से समृद्ध और सुंदर जिला है, लेकिन पहले जब वे गांवों का दौरा करते थे, तो सड़कों के किनारे फैला कचरा गांवों और नगरों की सुंदरता को धूमिल कर देता था। इस स्थिति को बदलने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरुआत कर इसे राष्ट्रीय जनआंदोलन में परिवर्तित किया। उन्होंने स्वयं झाड़ू उठाकर लोगों को प्रेरित किया और गांव-गांव, शहर-शहर स्वच्छता की अलख जगाई। उन्होंने हर नागरिक को स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार दिलाने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि इस अभियान में हमारी स्वच्छता दीदियों की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उनके अथक परिश्रम और समर्पण का ही परिणाम है कि आज जशपुर जिले ने स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे वास्तव में सम्मान की पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने हमें स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने में अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने घर, मोहल्ले, चौराहे, मंदिर और सार्वजनिक स्थलों की सफाई को अपना कर्तव्य मानें और स्वच्छता को अपनी आदत में शामिल करें। उल्लेखनीय है कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा शहरी स्वच्छता सुधारों के मूल्यांकन और प्रोत्साहन हेतु स्वच्छता सर्वेक्षण 2024 में स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (स्क्वरू) के अंतर्गत 4,589 शहरों को शामिल किया गया था। इस राष्ट्रीय सर्वेक्षण में जशपुर जिले के नगरीय निकायों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन कर देश भर में अपना परचम लहराया है।इसमें जशपुरनगर ने 20,000 से 50,000 की जनसंख्या वर्ग में पूरे देश में 10वां स्थान प्राप्त किया है, जो कि 2023 की 505वीं रैंकिंग से एक लंबी छलांग है। इसी वर्ग में नगर पंचायत कुनकुरी ने 13वां रैंक, नगर पंचायत पत्थलगांव ने 30वां रैंक, नगर पंचायत बगीचा ने 51वां रैंक, और नगर पंचायत कोतबा ने 64वां रैंक हासिल किया है। यह असाधारण उपलब्धि स्वच्छता दीदियों के परिश्रम और प्रशासनिक टीम के समन्वित प्रयास का प्रतिफल है। इस अवसर पर जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने सभी स्वच्छता दीदियों, नगरीय निकायों के अधिकारियों और नागरिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने कहा कि स्वच्छता दीदियाँ वह कार्य कर रही हैं जो पहले समाज में उपेक्षित था। उन्होंने कहा कि कभी स्वच्छता के प्रति लोगों में चेतना नहीं थी, लेकिन स्वच्छ भारत अभियान के तहत दीदियों ने लोगों को न केवल जागरूक किया, बल्कि व्यवहार परिवर्तन भी सुनिश्चित किया, जिससे जशपुर को यह गौरव प्राप्त हुआ है।

भारतीय गौ क्रांति मंच का संगठनात्मक विस्तार, 11 ज़िलों में गौसेवकों की नियुक्ति

रायपुर। गौमाता की सेवा और संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय गौ क्रांति मंच के छत्तीसगढ़ प्रांत द्वारा 20 जुलाई को रायपुर स्थित बंजारी मंदिर गौशाला, गुरुकुल विद्यालय में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के 11 ज़िलों में गौसेवकों की नियुक्ति की गई और संगठनात्मक विस्तार को धरातल पर उतारते हुए सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं।

11 ज़िलों में बना मजबूत ढांचा- कार्यक्रम में रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, बेमेतरा, राजनांदगांव, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, बलौदाबाजार, कोरबा, महासमुंद और धमतरी ज़िलों में गौसेवकों और गौ रक्षकों की नियुक्ति की गई। इन सभी जिलों में संगठन की स्थानीय इकाइयों का निर्माण कर गौ सेवा अभियान को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

मंच पर रहे प्रमुख अतिथि- इस आयोजन में हरिभाई जोशी, मनमंत शर्मा, प्रेमशंकर गौतिया और गोपालजी सुलतानिया बतौर अतिथि शामिल हुए और उन्होंने गौ सेवा के महत्व और इसकी सामाजिक जिम्मेदारी पर विचार साझा किए।

संगठन का नेतृत्व- कार्यक्रम की अगुवाई प्रांत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल और प्रांत महामंत्री राजा पांडेय ने की। इनके साथ नामदेव राय (प्रांत महामंत्री), राकेश केसारवानी (प्रांत उपाध्यक्ष), अमरदीप शर्मा (गौ रक्षा संयोजक), प्रीतम साहू (गौ सेवा संयोजक), सत्येन्द्र सिंह परमार (प्रवक्ता) और नितेश तिवारी (मीडिया प्रभारी) की सक्रिय भूमिका रही।

जल्द आएगा शेष जिलों का अपडेट- कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि शेष बचे जिलों में भी नियुक्तियाँ पूर्ण हो चुकी हैं, जिनकी औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी।

स्थानीय युवाओं को कैरियर बनाने में मिलेगी मदद

जशपुर के पीएमश्री विद्यालय में शुरू होगा एनसीसी एयर स्क्वाड्रन

रायपुर। जशपुर जिले के युवाओं को अब एनसीसी में एयर स्क्वाड्रन के जरिए अपना कैरियर बनाने के लिए मदद मिल पाएगी। मुख्यमंत्री साय के प्रयासों से जिले के पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में एनसीसी की एयर स्क्वाड्रन शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। यह छत्तीसगढ़ की 3 सीजी एनसीसी एयर स्क्वाड्रन होगी। साय के प्रयासों से यह जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो स्थानीय युवाओं के भविष्य को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने विद्यालय में एयर एनसीसी के लिए चयनित 25 मेधावी विद्यार्थियों को एनसीसी कैडेट्स का बैच लगाकर पंजीयन की शुरुआत की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इनमें 13 बालिकाएं और 12 बालक शामिल हैं। इस अवसर पर विंग कमांडर विवेक कुमार साहू ने मुख्यमंत्री को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान विधायक श्रीमती गोमती साय और श्रीमती रायमुनी भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सालिक साय, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री साय ने पिछले एनसीसी दिवस समारोह के दौरान रायपुर के समान राज्य के अन्य हवाई पट्टी वाले शहरों में भी एनसीसी की एयर स्कवाड्रन शुरू करने की इच्छा व्यक्त की थी। अभी तक छत्तीसगढ़ में केवल रायपुर में ही एयर एनसीसी और उड़ान का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि जगदलपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और जशपुर जैसे स्थानों पर भी हवाई पट्टियों की सुविधा उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री की इस पहल पर मार्च माह में जशपुर की आगडीह हवाई पट्टी को 3 सीजी एयर एनसीसी स्क्वाड्रन के लिए स्वीकृति प्रदान की गई और एक माइक्रोलाइट विमान को प्रशिक्षण हेतु जशपुर भेजा गया। इस दौरान लगभग 100 कैडेट्स को उड़ान का वास्तविक अनुभव प्रदान किया। मुख्यमंत्री साय ने हवाई पट्टी पहुंचकर प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया और कैडेट्स से संवाद किया। कैडेट्स ने उन्हें विमान से संबंधित तकनीकी जानकारियाँ भी साझा कीं।

प्रशिक्षण प्राप्त कैडेट को रोजगार के बेहतर अवसर

वर्तमान में 3 सीजी एयर एनसीसी एयर स्क्वाड्रन, पूरे देश में एकमात्र एयर स्क्वाड्रन है जिसमें एम्स, एमबीबीएस और नर्सिंग के छात्र कैडेट के रूप में जुड़े हुए हैं। कैडेटों को यूपीएससी और एसएसबी साक्षात्कार के माध्यम से सेना में 25 वैकेन्सी /पाठ्यक्रम के अवसर मिलते हैं, एसएससी के माध्यम से ऑफिसर्स ट्रेनिग अकादमी के लिए 50 वैकेंसी/पाठ्यक्रम के अवसर मिलते हैं जिसमें यूपीएससी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होती है और केवल एसएसबी साक्षात्कार के माध्यम से चयन के अवसर मिलते है। 20 सीटें लडकियों के लिए आरक्षित होती हैं। वायु सेना के उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों सहित सभी पाठ्यक्रमों में 10 प्रतिशत वेकेंसी होती है। जिसके लिए एएफसीएटी, यूपीएससी परीक्षा की आवश्यकता नहीं होती है। इसी तरह से पैरामिलिट्री फोर्स भर्ती में 2 से 10 बोनस अंक दिया जाता है।कई उद्योगों में भी एनसीसी सी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरियों में प्राथमिकता दी जाती है।

संपादकीय

दोनों पायलटों की बातचीत उलझा मामला

अहमदाबाद में हुए एअर इंडिया विमान हादसे का सच सामने आने की उम्मीद के सूत्र प्रारंभिक जांच रिपोर्ट से और उलझ गए हैं। इसके अनुसार उड़ान एआई-171 के दोनों इंजन में ईंधन पहुंचाने वाले स्विच उड़ान भरने के तुरंत बाद बंद हो गए थे जिसके कुछ सेकंड बाद लंदन जा रहा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान के दोनों पायलटों की बातचीत के संक्षिप्त से हिस्से ने मामले को उलझा दिया है। रिपोर्ट के अनुसारकॉकपिट वॉयस रिकार्डिंग में एक पायलट को दूसरे से पूछते सुना गया कि कि उसने ईंधन क्यों बंद किया तो जवाब मिला कि उसने ऐसा नहीं किया। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कौन सी आवाज किस पायलट की है। 10 क्रू सदस्यों और 241 यात्रियों सहित इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे उन्हें न्याय मिलने का इंतजार अंतिम रिपोर्ट आने तक अधर में लटक गया है। विमान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों ईंधन नियंत्रण स्विच (जिनका उपयोग इंजनों को बंद करने के लिए किया जाता है) उड़ान भरने के तुरंत बाद 'कटऑफ' स्थिति में चले गए थे। यह नहीं बताया गया कि यह कैसे हुआ या किसने किया। हालांकि पायलटों ने दोनों स्विच चालू कर दिए थे लेकिन विमान को ऊपर उठाने के लिए आवश्यक ऊर्जा जुटाने में सफल नहीं हो सके। रिपोर्ट के अनुसार, जब विमान ने उड़ान भरी उस समय सह-पायलट विमान उड़ा रहा था और कप्तान निगरानी कर रहा था। रिपोर्ट के संकेत पायलटों को संदेह के दायरे में लाते हैं जबकि दोनों पायलट अत्यंत अनुभवी थे। विमानन विशेषज्ञों का भी कहना है कि ये स्विच ऐसी स्थिति में नहीं होते कि असावधानीवश छू जाने से सक्रिय हो जाएं। प्रारंभिक रिपोर्ट विमान के ऑपरेटरों को फिलहाल कार्रवाई से बख्श देती है। विमान के उड़ान भरने के लगभग तुरंत बाद की सीसीटीवी फुटेज से पता चलता है कि 'रैम एयर टर्बाइन' (आरएटी) नामक 'बैकअप' ऊर्जा स्रोत सक्रिय हो गया था, जो इंजन में ऊर्जा की कमी का संकेत देता है। सवाल उठता है कि इस ओर वायु यातायात नियंत्रक का ध्यान क्यों नहीं गया वरना पायलट के आपातकालीन संकेत 'मे डे, मे डे,मे डे जारी करने से पहले ही सहायता मिल सकती थी। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल की बात यहां समझदारीपूर्ण लगती है कि प्रारंभिक रिपोर्ट और पायलटों की बातचीत से निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। विमान के रखरखाव में कमी, लापरवाही या साजिश का नतीजा था, यह जानने के लिए अंतिम जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनकड़ का त्यागपत्र आखिर क्यों

अजय दीक्षित

केंद्रीय सरकार और उप राष्टपति जगदीप धनकड़ के बीच इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर को लेकर उत्पन्न विवाद को लेकर 75 वर्षीय भारत के उपराष्टपति जगदीप धनकड़ विगत दिवस अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। राजस्थान के झुंझनू जिले से आने वाले जगदीप धनकड़ का लंबा संसदीय जीवन रहा है।वे इस दौरान विधानसभा सदस्य, लोकसभा सदस्य, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री, पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल, और 2022 से भारत के उपराष्टपति पद आसीन थे। पेशे से वकील जगदीप धनकड़ ने जिला न्यायालय, राजस्थान हाइकोर्ट, और सर्वोच्च न्यायालय में वकालत भी की । उन्होंने अपनी राजनीति एक समाजवादी नेता के तौर पर लोकदल से की। जाट परिवार में जन्मे जगदीप धनकड़ किसान नेता थे।बाद में वे भारतीय जनता पार्टी से जुड़े और तमाम संवैधानिक पदों पर रहे ।

जगदीप धनकड़ ने अपने त्यागपत्र में कहा कि वह अपने स्वास्थ्य कारणों से पद छोड़ रहे हैं। लेकिन उनके त्यागपत्र ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब क्या कारण रहे कि उनको त्यागपत्र देना पड़ा है। लेकिन जब तक वे ही कुछ नहीं कहते तब तक तो स्वास्थ्य ही कारण माना जाएगा।हालांकि 21 जुलाई शाम छह बजे तक उन्होंने सांसदों के साथ मीटिंग की है और उसके बाद अचानक त्याग पत्र लिख राष्टपति से मिले और घर चले गए। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरण जिजउ, केंदीय मंत्री पहलाद जोशी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उनसे मुलाकात की। लेकिन कोई सार्थक संकेत निकल कर नहीं आया बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी संपर्क किया है।

बताया जाता है कोई बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग थी जिसमें जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरण जिजउ को जाना था और वे गए नहीं । लेकिन इतना भर उपराष्टपति पद से इस्तीफा का कारण नहीं हो सकता कोई भीतर खाने की बात है जो कल चिंगारी बनी ।

सरल और विनोदी स्वभाव के जगदीप धनकड़ ने पहले पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी से लोहा लिया और तीन साल से राज्यसभा में कांग्रेस से लोहा ले रहे थे।अभी बीच में तो कांग्रेस ने उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव भी दे दिया था हालांकि उससे ने हटते नहीं लेकिन कड़वाहट न आए इस लिए उन्होंने खुद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से बातचीत की । हां जस्टिस वर्मा से बहुत नाराज थे क्योंकि उनके घर जले हुए नोट मिले थे। जगदीप धनकड़ ने सर्वोच्च न्यायालय से प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की थी।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कहा कि उन्हें त्यागपत्र नहीं देना चाहिए।

जगदीप धनकड़ के इस्तीफे कोई विशेष कारण है क्योंकि उन्होंने अभी जस्टिस वर्मा से संबंधित महाभियोग प्रस्तावों का परीक्षण हेतु कमेटियों का गठन किया था जिससे राज्यसभा कुछ अधिकारियों को भी शामिल किया था जिसमें पक्ष के लोगों को आपत्ति थी।शायद मल्लिकार्जुन खड़गे ने बकायदा पत्र भी लिखा था।

सूत्रों के मुताबिक किसान आंदोलन में कुछ मांगो का जवाब भी वे कृषि मंत्री शिवराज सिंह से चाहते थे। लेकिन यह सब कयास ही हैं अलबत्ता उनके द्वारा लिखित स्वास्थ्य कारणों को ही जगदीप धनकड़ के उपराष्टपति पद से इस्तीफा के प्रमुख कारण माना जा सकता है।

कारगिल विजय दिवस : वीरता और बलिदान का प्रतीक

कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना की अदम्य वीरता, साहस और बलिदान का प्रतीक है। प्रतिवर्ष 26 जुलाई को मनाया जाने वाला यह दिवस उन शहीद जवानों की स्मृति में मनाया जाता है, जिन्होंने 1999 के कारगिल युद्ध में अपने प्राणों की आहुति देकर मातृभूमि की रक्षा की। यह दिन केवल एक विजय का उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सैन्य शौर्य और देशभक्ति की भावना को पुनर्जीवित करने का अवसर है। कारगिल युद्ध की शुरुआत 1999 की शुरुआत में हुई जब पाकिस्तानी सेना और आतंकवादियों ने नियंत्रण रेखा (ख्वठ्ठद्ध श्बद्ध ष्टश्ठ्ठह्लह्मश्रद्ध) पार करके भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की। यह घुसपैठ मुख्य रूप से जम्मू-कश्मीर के कारगिल जिले में द्रास, मुश्कोह घाटी, काकसार और बटालिक सेक्टर में हुई थी। पाकिस्तान का मुख्य उद्देश्य कश्मीर में भारतीय स्थितियों को कमजोर करना और श्रीनगर-लेह राजमार्ग को काटकर भारतीय सेना की आपूर्ति लाइन को बाधित करना था। इस घुसपैठ की योजना तत्कालीन पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ की देखरेख में बनाई गई थी।

पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया था, जहां से वे श्रीनगर-लेह राजमार्ग पर निगरानी रख सकते थे और भारतीय सेना की गतिविधियों को बाधित कर सकते थे। इन ऊंचाइयों से दुश्मन भारतीय सैनिकों पर आसानी से गोलाबारी कर सकता था और साथ ही रसद आपूर्ति को भी रोक सकता था।

युद्ध की शुरुआत और प्रारंभिक चुनौतियां : मई 1999 में स्थानीय चरवाहों और गुज्जर समुदाय के लोगों से मिली जानकारी के आधार पर भारतीय सेना को पता चला कि पाकिस्तानी सैनिकों ने रणनीतिक ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया है। प्रारंभ में यह समझा गया कि यह कुछ आतंकवादियों की घुसपैठ है, लेकिन जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि यह एक व्यापक और संगठित सैन्य अभियान है।

भारतीय सेना के लिए यह एक अत्यंत कठिन चुनौती थी क्योंकि दुश्मन ने रणनीतिक ऊंचाइयों पर कब्जा कर लिया था। पर्वतीय युद्ध की कठिन परिस्थितियां, अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी, तथा सीमित रसद आपूर्ति की समस्या जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। इन कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में लड़ना अत्यंत दुष्कर था, जहां तापमान माइनस 10 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे जाता था।

ऑपरेशन विजय की शुरुआत : भारत सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए ऑपरेशन विजय की शुरुआत की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य घुसपैठियों को खदेड़कर भारतीय क्षेत्र को पुन: हासिल करना था। युद्ध के दौरान भारतीय सेना ने पर्वतीय युद्ध के लिए विशेष प्रशिक्षित सैनिकों की तैनाती की, वायु सेना का व्यापक उपयोग किया, तोपखाने की सटीक बमबारी का सहारा लिया और रात्रिकालीन अभियानों पर विशेष जोर दिया। युद्ध मुख्यत: तीन सेक्टरों में लड़ा गया। द्रास सेक्टर में टाइगर हिल, प्वाइंट 4875, प्वाइंट 5140 जैसी महत्वपूर्ण चोटियां थीं। काकसार सेक्टर में प्वाइंट 5353, चोर्बट ला जैसे क्षेत्र शामिल थे। बटालिक सेक्टर में प्वाइंट 5203, हर्ष चोटी जैसे रणनीतिक स्थान थे। प्रत्येक सेक्टर में लड़ाई की अपनी विशेष चुनौतियां और कठिनाइयां थीं।

प्रमुख लड़ाइयां और वीरता के किस्से : टाइगर हिल की लड़ाई कारगिल युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण और कठिन लड़ाइयों में से एक थी। 18 ग्रेनेडियर्स की 8वीं बटालियन के नेतृत्व में इस चोटी को जीतने के लिए 3 जुलाई 1999 को अभियान शुरू हुआ। कैप्टन विजयंत थापर, लेफ्टिनेंट बलवान सिंह और अन्य वीर सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर इस चोटी को जीता। यह लड़ाई इतनी कठिन थी कि सैनिकों को लगभग सीधी चट्टान पर चढ़कर दुश्मन के बंकरों पर हमला करना पड़ा। प्वाइंट 4875 पर कब्जे की लड़ाई 2 राजपूताना राइफल्स की अगुवाई में लड़ी गई। कैप्टन अनुज नैयर और राइफलमैन संजय कुमार ने इस लड़ाई में असाधारण वीरता दिखाई। संजय कुमार को उनकी अप्रतिम वीरता के लिए परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। उन्होंने घायल होने के बाद भी दुश्मन के बंकर पर धावा बोलकर उसे नष्ट कर दिया था।

बटालिक सेक्टर की विजय में 13 जम्मू और कश्मीर राइफल्स के कैप्टन सौरभ कालिया और उनके साथियों ने अपना बलिदान दिया। उनके साथ हुए अमानवीय व्यवहार ने पूरे देश को झकझोर दिया। कैप्टन कालिया और उनके पांच साथियों को पाकिस्तानी सेना द्वारा पकड़े जाने के बाद अमानवीय यातनाएं दी गईं और बाद में उनकी हत्या कर दी गई। उनके शवों की स्थिति से पता चला कि उनके साथ कितना क्रूर व्यवहार किया गया था।

वायु सेना की भूमिका : भारतीय वायु सेना ने इस युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहली बार 1971 के बाद भारतीय वायु सेना ने युद्ध में सक्रिय भागीदारी की। मिग-27, मिग-29 और मिराज-2000 विमानों ने सटीक हमले किए। स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा और फ्लाइट लेफ्टिनेंट के. नचिकेता ने वीरता का परिचय दिया। पर्वतीय क्षेत्रों में हवाई हमले करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि ऊंचाई के कारण हवा का घनत्व कम था और विमानों को उड़ाना कठिन था। इसके बावजूद भारतीय वायु सेना के पायलटों ने अपनी कुशलता और साहस का परिचय देते हुए दुश्मन के ठिकानों पर सटीक बमबारी की। वायु सेना के हमलों से दुश्मन की आपूर्ति लाइन को काफी नुकसान पहुंचा।

पराक्रम पुरस्कार विजेता : कारगिल युद्ध में अनेक वीर योद्धाओं को उनकी वीरता के लिए विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। कैप्टन विक्रम बत्रा को मरणोपरांत परमवीर चक्र दिया गया। यह दिल मांगे मोर का नारा देने वाले इस वीर योद्धा ने प्वाइंट 5140 और प्वाइंट 4875 की विजय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी वीरता और बलिदान की कहानी आज भी लोगों को प्रेरणा देती है। लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय को भी मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। 1/11 गोरखा राइफल्स के इस वीर सैनिक ने बटालिक सेक्टर में अप्रतिम वीरता दिखाई। ना छोड़नू का नारा देने वाले मनोज पांडे ने अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रखी।

ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता हैं, जिन्होंने टाइगर हिल की लड़ाई में घायल होने के बाद भी लड़ाई जारी रखी। केवल 18 वर्ष की आयु में उन्होंने 15 गोलियां लगने के बाद भी दुश्मन के बंकर पर कब्जा किया था।

राइफलमैन संजय कुमार को प्वाइंट 4875 पर असाधारण वीरता दिखाने के लिए जीवित रहते परमवीर चक्र मिला। उन्होंने घायल होने के बावजूद दुश्मन के मशीनगन पोस्ट को नष्ट किया था।

इसके अतिरिक्त अनेक अधिकारियों और जवानों को महावीर चक्र, वीर चक्र और शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया। प्रत्येक पुरस्कार के पीछे एक वीरता की गाथा है जो भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

युद्ध का अंत और विजय : 26 जुलाई 1999 को ऑपरेशन विजय सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। भारतीय सेना ने सभी घुसपैठियों को खदेड़कर अपने क्षेत्र पर पुन: नियंत्रण स्थापित कर लिया। इस दिन को कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। युद्ध के परिणामस्वरूप भारत की सैन्य श्रेष्ठता की पुष्टि हुई, राष्ट्रीय एकता में वृद्धि हुई, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की छवि खराब हुई और भारतीय सेना की वीरता की विश्वव्यापी प्रशंसा हुई। यह विजय केवल सैन्य दृष्टि से ही नहीं बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण थी। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने पाकिस्तान पर दबाव डाला कि वह अपनी सेनाओं को वापस बुलाए। भारत ने इस युद्ध में अपनी संयम की नीति का भी परिचय दिया और नियंत्रण रेखा पार नहीं की।

युद्ध की कीमत और बलिदान : कारगिल युद्ध में भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ी। लगभग 527 भारतीय सैनिकों ने शहादत दी और 1300 से अधिक सैनिक घायल हुए। अनेक परिवारों ने अपने लाडलों को खो दिया। प्रत्येक शहीद के पीछे एक परिवार था जिसने अपना सर्वस्व देश के लिए न्योछावर कर दिया। इन शहीदों का बलिदान राष्ट्र के लिए अमूल्य है और उनकी स्मृति हमेशा हमारे दिलों में बनी रहेगी।

युद्ध में घायल हुए सैनिकों में से कई को स्थायी अपंगता का सामना करना पड़ा, लेकिन उनका मनोबल कभी टूटा नहीं। उन्होंने अपनी चुनौतियों को स्वीकार करते हुए नए जीवन की शुरुआत की और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने।

कारगिल विजय दिवस का महत्व : कारगिल विजय दिवस राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संकट के समय पूरा देश एक साथ खड़ा होता है। धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र की सभी बाधाओं को पार करके भारतीय जनता ने अपने सैनिकों का साथ दिया था।

यह दिन हमारे वीर सैनिकों की अदम्य साहस और बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है। यह युवाओं को देशसेवा की प्रेरणा देता है और उन्हें बताता है कि देश की सेवा सर्वोच्च धर्म है। राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व और सेना की भूमिका के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी यह दिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम : प्रतिवर्ष 26 जुलाई को पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री द्वारा इंडिया गेट पर श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। द्रास में कारगिल वॉर मेमोरियल पर विशेष समारोह होता है और शहीदों के परिवारों का सम्मान किया जाता है।

स्थानीय स्तर पर स्कूलों और कॉलेजों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सैन्य प्रदर्शनी और फिल्म प्रदर्शन किए जाते हैं तथा वीर सैनिकों की जीवनी पर चर्चा होती है। ये कार्यक्रम नई पीढ़ी को युद्ध के इतिहास से परिचित कराने और देशभक्ति की भावना जगाने में सहायक होते हैं।

कारगिल युद्ध के सबक : सैन्य दृष्टिकोण से इस युद्ध ने पर्वतीय युद्ध की तैयारी के महत्व को उजागर किया। आधुनिक हथियारों और तकनीक की आवश्यकता तथा खुफिया जानकारी की महत्ता भी स्पष्ट हुई। राजनीतिक दृष्टिकोण से राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में सुधार की आवश्यकता दिखी। पड़ोसी देशों के साथ संबंधों की जटिलता और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से समर्थन का महत्व भी समझ में आया। इस युद्ध से यह भी सबक मिला कि राजनीतिक स्थिरता और दृढ़ नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक है। संकट के समय त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और उसे कार्यान्वित करने की दृढ़ता युद्ध के परिणाम को प्रभावित करती है।

आधुनिक संदर्भ में कारगिल विजय दिवस : आज के समय में कारगिल विजय दिवस की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। आतंकवाद और सीमा पार से घुसपैठ, साइबर सुरक्षा की चुनौतियां और आधुनिक युद्ध तकनीकों का विकास जैसी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियां आज भी मौजूद हैं। धर्म, जाति और भाषा से ऊपर राष्ट्रीय भावना को बनाए रखना, युवाओं में देशभक्ति की भावना जगाना और सेना के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना आज भी उतना ही महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में जब देश तकनीकी और आर्थिक विकास के नए आयामों को छू रहा है, तब भी राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि विकास और सुरक्षा दोनों साथ-साथ चलते हैं।

कारगिल वीरों की अमर गाथा : कारगिल के वीर योद्धाओं की गाथाएं आज भी हमें प्रेरणा देती हैं। कैप्टन विक्रम बत्रा की वीरगाथा अत्यंत प्रेरणादायक है। यह दिल मांगे मोर कहने वाले विक्रम बत्रा ने 19 जून को प्वाइंट 5140 जीतने के बाद कहा था, ये चोटी हमारी है और रहेगी। बाद में प्वाइंट 4875 की लड़ाई में उन्होंने अपने साथी सैनिक को बचाते हुए शहादत दी। उनकी प्रेमिका डिंपल चीमा आज भी उनकी स्मृति को जिंदा रखे हुए है।

लेफ्टिनेंट मनोज पांडे का बलिदान भी अविस्मरणीय है। ना छोड़नू (नहीं छोड़ना) का नारा देने वाले मनोज पांडे ने अंतिम सांस तक लड़ाई जारी रखी। उन्होंने अपनी टुकड़ी का नेतृत्व करते हुए दुश्मन के कई बंकरों को नष्ट किया और अंतत: वीरगति को प्राप्त हुए।

योगेन्द्र सिंह यादव की अदम्य वीरता की कहानी अद्भुत है। 18 वर्षीय योगेन्द्र सिंह यादव ने टाइगर हिल पर 15 गोलियां लगने के बाद भी दुश्मन के बंकर पर कब्जा किया। उनकी वीरता को देखकर दुश्मन भी हैरान रह गया था। आज वे स्वस्थ हैं और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

कारगिल वॉर मेमोरियल : द्रास में स्थित कारगिल वॉर मेमोरियल शहीद सैनिकों की स्मृति में बनाया गया है। यहां शहीदों के नाम और उनकी वीरगाथाएं अंकित हैं। यह स्थान राष्ट्रीय तीर्थ के समान है जहां देश भर से लोग अपने वीर सपूतों को श्रद्धांजलि देने आते हैं। मेमोरियल की दीवार पर लिखे गए शब्द भारत माता के इन वीर सपूतों ने सर्वोच्च बलिदान देकर मातृभूमि की रक्षा की आंखों में आंसू ला देते हैं। यहां स्थित संग्रहालय में युद्ध से संबंधित सामग्री, हथियार, तस्वीरें और दस्तावेज प्रदर्शित हैं। यह स्थान न केवल शहीदों की स्मृति का केंद्र है बल्कि इतिहास की जानकारी का भी महत्वपूर्ण स्रोत है।

भविष्य की चुनौतियां और तैयारी : कारगिल युद्ध से मिले सबकों के आधार पर भारत ने अपनी सैन्य तैयारियों में सुधार किया है। आधुनिक हथियारों की खरीद, स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा और उन्नत निगरानी प्रणाली के क्षेत्र में आधुनिकीकरण किया गया है। पर्वतीय युद्ध का विशेष प्रशिक्षण, अत्याधुनिक युद्ध तकनीकों का अभ्यास और संयुक्त अभ्यास कार्यक्रम जैसे प्रशिक्षण में भी सुधार हुआ है।

सेना में तकनीकी उन्नयन, बेहतर संचार व्यवस्था और आधुनिक हथियार प्रणालियों को शामिल किया गया है। पर्वतीय क्षेत्रों में बेहतर अवसंरचना का विकास भी किया गया है जिससे सैनिकों की तैनाती और रसद आपूर्ति में सुधार हुआ है।

महिलाओं की भूमिका : कारगिल युद्ध के दौरान न केवल सैनिकों बल्कि उनकी पत्नियों, माताओं और बहनों ने भी साहस का परिचय दिया। उन्होंने अपने प्रियजनों को हौसला दिया और युद्ध के बाद वीरांगनाओं की तरह सम्मान पाया। शहीदों की विधवाओं और माताओं ने अपने दुख को गर्व में बदला और समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनीं।

कैप्टन विक्रम बत्रा की मां कमलकांता बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज पांडे की मां गोमती देवी जैसी वीरांगनाओं ने अपने पुत्रों के बलिदान को राष्ट्र के लिए गर्व का विषय माना। उनका साहस और धैर्य आज भी लोगों को प्रेरणा देता है।

मीडिया की भूमिका : कारगिल युद्ध पहला ऐसा युद्ध था जिसकी रिपोर्टिंग टेलीविजन पर व्यापक रूप से हुई। मीडिया ने राष्ट्रीय भावना जगाने और सैनिकों के साहस को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पत्रकारों ने युद्धक्षेत्र से सीधी रिपोर्टिंग की और जनता को युद्ध की वास्तविकता से अवगत कराया। टेलीविजन चैनलों ने 24 घंटे युद्ध की खबरें प्रसारित कीं जिससे पूरा देश अपने सैनिकों के साथ जुड़ा रहा। मीडिया ने न केवल युद्ध की जानकारी दी बल्कि शहीदों के परिवारों की कहानियां भी दिखाईं जिससे राष्ट्रीय एकता की भावना और मजबूत हुई।

साहित्य और सिनेमा में कारगिल : कारगिल युद्ध ने हिंदी साहित्य और सिनेमा को गहरे प्रभावित किया है। अनेक फिल्में, पुस्तकें और कविताएं इस युद्ध और वीर सैनिकों पर आधारित हैं। LOC कारगिल, शेरशाह जैसी फिल्मों ने जनमानस पर गहरा प्रभाव डाला है। इन फिल्मों ने नई पीढ़ी को युद्ध के इतिहास से परिचित कराया और देशभक्ति की भावना जगाई है।

साहित्य जगत में भी कारगिल युद्ध पर अनेक पुस्तकें लिखी गई हैं। कारगिल: अनटोल्ड स्टोरीज़ फ्रॉम द वॉर जैसी पुस्तकों ने युद्ध की सच्चाई को उजागर किया है। कवियों ने अपनी कविताओं में वीर सैनिकों की गाथाएं लिखी हैं और उनके बलिदान को अमर बनाया है।

शिक्षा जगत में कारगिल विजय दिवस : स्कूलों और कॉलेजों में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। छात्रों को युद्ध के इतिहास, वीर सैनिकों की गाथाओं और राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया जाता है। शिक्षक युद्ध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हैं और छात्रों में देशभक्ति की भावना जगाते हैं।

कई शैक्षणिक संस्थानों में कारगिल युद्ध पर आधारित प्रदर्शनी, नाटक और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इससे छात्रों को न केवल युद्ध का इतिहास पता चलता है बल्कि उनमें राष्ट्रीय गौरव की भावना भी विकसित होती है। एनसीसी और स्काउट गाइड जैसे संगठन इस दिन विशेष कार्यक्रम आयोजित करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता : कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की वीरता और व्यावसायिकता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली। विश्व के अनेक देशों ने भारत के इस न्यायसंगत युद्ध का समर्थन किया। अमेरिका, रूस, फ्रांस और अन्य प्रमुख देशों ने पाकिस्तान पर दबाव डाला कि वह अपनी सेनाओं को वापस बुलाए। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इस संघर्ष में भारत की स्थिति का समर्थन किया। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया ने भी भारतीय सेना की वीरता की प्रशंसा की और पाकिस्तान की आक्रामकता की निंदा की। इससे भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ और विश्व समुदाय में भारत की स्थिति मजबूत हुई।

कारगिल युद्ध और राष्ट्रीय चरित्र : कारगिल युद्ध ने भारतीय राष्ट्रीय चरित्र के कई पहलुओं को उजागर किया। संकट के समय पूरे देश की एकजुटता, सैनिकों के प्रति सम्मान और बलिदान की भावना जैसे गुण दिखाई दिए। युद्ध के दौरान धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्र के भेद भुलाकर सभी भारतीयों ने एकजुट होकर अपनी सेना का साथ दिया।

इस युद्ध में भारत की नैतिक श्रेष्ठता भी दिखी जब भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सैनिकों के शवों को सम्मान के साथ वापस किया। यह भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों का परिचायक था। युद्ध के दौरान भारत ने संयम का परिचय दिया और नियंत्रण रेखा पार नहीं की, जिससे युद्ध का विस्तार रोका गया।

कारगिल के बाद भारत-पाकिस्तान संबंध : कारगिल युद्ध के बाद भारत-पाकिस्तान संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आए। पाकिस्तान में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफकी स्थिति कमजोर हुई और बाद में वहां सैन्य तख्तापलट हुआ। अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में पाकिस्तान की छवि खराब हुई और उसे आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के रूप में देखा जाने लगा।

भारत ने इस युद्ध के बाद अपनी रक्षा नीति में महत्वपूर्ण बदलाव किए और पाकिस्तान से संबंधों में अधिक सतर्कता बरती। सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई और आतंकवाद के खिलाफसख्त रुख अपनाया गया। युद्ध के बाद भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह अपनी सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरतेगा।

कारगिल युद्ध की रणनीतिक शिक्षाएं : कारगिल युद्ध से भारत को कई महत्वपूर्ण रणनीतिक शिक्षाएं मिलीं। पहली शिक्षा यह थी कि शांति वार्ता के दौरान भी सतर्कता आवश्यक है क्योंकि पाकिस्तान ने लाहौर समझौते के तुरंत बाद इस आक्रमण की योजना बनाई थी। दूसरी शिक्षा यह मिली कि आधुनिक युद्ध में वायु शक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

तीसरी महत्वपूर्ण शिक्षा यह थी कि खुफिया तंत्र को और मजबूत बनाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घुसपैठ का पहले ही पता चल सके। चौथी शिक्षा यह मिली कि पर्वतीय युद्ध के लिए विशेष प्रशिक्षण और उपकरणों की आवश्यकता होती है।

तकनीकी प्रगति और कारगिल युद्ध : कारगिल युद्ध में आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग हुआ। लेजर गाइडेड बम, सटीक निशानेबाजी के लिए आधुनिक राइफलें, उन्नत संचार व्यवस्था और उपग्रह इमेजरी का उपयोग किया गया। इस युद्ध ने दिखाया कि आधुनिक युद्ध में तकनीक की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है। भारतीय वायु सेना द्वारा मिराज-2000 विमानों से किए गए सटीक हमले इस बात का प्रमाण थे कि आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रशिक्षण के संयोजन से कैसे युद्ध के परिणाम को प्रभावित किया जा सकता है। इस युद्ध के बाद भारत ने अपनी सैन्य तकनीक के आधुनिकीकरण पर और भी अधिक जोर दिया।

कारगिल विजय दिवस और युवा पीढ़ी : आज की युवा पीढ़ी के लिए कारगिल विजय दिवस विशेष महत्व रखता है। यह दिन उन्हें बताता है कि देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए निरंतर सतर्कता आवश्यक है। कारगिल के वीर सैनिकों की कहानियां युवाओं को प्रेरणा देती हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी साहस और दृढ़ता से काम लेना चाहिए।

इस दिन का संदेश युवाओं के लिए यह है कि देशसेवा केवल सेना में भर्ती होने से ही नहीं होती बल्कि अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी से काम करके भी देश की सेवा की जा सकती है। शिक्षा, स्वास्थ्य, तकनीक, कृषि और अन्य सभी क्षेत्रों में बेहतर कार्य करके देश को मजबूत बनाया जा सकता है।

सामाजिक एकता का प्रतीक : कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय समाज की एकजुटता देखने को मिली। सभी धर्मों, जातियों और भाषाओं के लोगों ने एकजुट होकर अपनी सेना का साथ दिया। मुस्लिम, सिख, ईसाई और अन्य धर्मों के सैनिकों ने भी हिंदू सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी।

इस युद्ध ने दिखाया कि भारत की असली ताकत उसकी विविधता में एकता है। जब देश पर संकट आता है तो सभी भेदभाव भुलाकर भारतीय एक साथ खड़े होते हैं। यह भावना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है और देश की एकता के लिए आवश्यक है।

कारगिल युद्ध और भारतीय अर्थव्यवस्था : कारगिल युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी प्रभाव पड़ा। युद्ध की लागत अरबों रुपए थी लेकिन देश ने इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक माना। युद्ध के बाद रक्षा बजट में वृद्धि की गई और आधुनिक हथियारों की खरीद पर जोर दिया गया।

इस युद्ध ने भारत में रक्षा उद्योग के विकास की आवश्यकता को भी उजागर किया। बाद के वर्षों में स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया गया और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं के तहत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर दिया गया।

पर्यावरण और कारगिल युद्ध : कारगिल युद्ध एक पर्वतीय क्षेत्र में लड़ा गया था जहां पर्यावरण अत्यंत संवेदनशील है। युद्ध के दौरान पर्यावरण को नुकसान पहुंचा लेकिन युद्ध समाप्ति के बाद इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को बहाल करने के प्रयास किए गए। आज कारगिल क्षेत्र न केवल शांत है बल्कि एक पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित हो रहा है।

युद्ध के निशान अभी भी इस क्षेत्र में दिखाई देते हैं लेकिन प्रकृति ने अपने घावों को भरने का काम शुरू कर दिया है। यह इस बात का प्रमाण है कि समय के साथ सब कुछ ठीक हो जाता है लेकिन वीरों की यादें हमेशा बनी रहती हैं। कारगिल विजय दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारतीय सेना की अजेय वीरता, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के लिए बलिदान की परंपरा का प्रतीक है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता की रक्षा के लिए निरंतर सतर्कता और बलिदान की आवश्यकता होती है।

26 जुलाई 1999 को जब भारतीय तिरंगा कारगिल की चोटियों पर फहराया गया तो यह केवल एक युद्ध की समाप्ति नहीं थी बल्कि भारतीय वीरता की एक अमर गाथा का जन्म था। कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज पांडे, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, राइफलमैन संजय कुमार और अन्य सभी वीर योद्धाओं का बलिदान व्यर्थ नहीं गया। आज जब हम कारगिल विजय दिवस मनाते हैं, तो हमें उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के साथ-साथ यह संकल्प भी लेना चाहिए कि हम अपने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। कारगिल के वीरों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए और हमें उनके सपनों का भारत बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। यह युद्ध हमें सिखाता है कि राष्ट्र की रक्षा केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। चाहे वह शिक्षक हो, डॉक्टर हो, इंजीनियर हो या किसान हो, सभी को अपने-अपने क्षेत्र में ईमानदारी से काम करके देश को मजबूत बनाना चाहिए।

कारगिल विजय दिवस का संदेश स्पष्ट है कि भारत शांति चाहता है लेकिन अपनी सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की ढील नहीं बरतेगा। यह दिन हमें याद दिलाता है कि सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया: की भावना रखने वाला भारत जब अपनी रक्षा के लिए खड़ा होता है तो वह अजेय हो जाता है। कारगिल के वीर शहीदों की स्मृति हमारे दिलों में सदैव अमर रहेगी और उनके आदर्श भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे। उनका बलिदान हमें सिखाता है कि मातृभूमि से बढ़कर कुछ नहीं और उसकी रक्षा के लिए जीवन न्योछावर करना सबसे बड़ा धर्म है।

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,
वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा।

यह दिन हमें सिखाता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और उसकी रक्षा के लिए हर बलिदान स्वीकार्य है। कारगिल के वीर शहीदों की स्मृति हमारे दिलों में सदैव अमर रहेगी और उनके आदर्श भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देते रहेंगे।

जय हिंद! जय भारत! कारगिल के वीरों को नमन!

- वासवी राजू बरडे,
नागपूर, महाराष्ट्र

बेडरूम में सही दिशा में रखें पलंग

आएगी चैन की नींद

हमारा बेडरूम घर का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह जगह है जहां हम दिनभर की मेहनत के बाद आराम करते हैं। इसलिए बेडरूम का माहौल सुकून तथा शांति भरा होना जरूरी है। वास्तु शास्त्र में बेडरूम के लिए भी कुछ नियम बताए गए है जिनका पालन करने से शयनकक्ष में सकारात्मकता बनी रहती है, और व्यक्ति को चैन की नींद आती है। जिससे व्यक्ति का स्वास्थ्य भी अच्छा बना रहता है।

किस दिशा में रखना चाहिए पलंग

शयनकक्ष या बेडरूम में पलंग को हमेशा दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। बेड की व्यवस्था इस प्रकार करें कि आपका सिरहाना दक्षिण दिशा में होना चाहिए। कभी भूलकर भी दक्षिण दिशा की ओर पैर करके न सोएं। इससे सेहत के साथ व्यक्ति के जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बेड के कोनों तथा दीवारों से कुछ इंच की दूरी पर रखना चाहिए।

कैसा होना चाहिए बेड

बेडरूम संबंधी वास्तु में कहा गया है कि बेड लकड़ी से बना होना चाहिए, तथा आयताकार या वर्गाकार होना चाहिए। साथ ही बेड को सीधे बीम के नीचे नहीं लगाना चाहिए। कमरे में लगे शीशे का मुंह बेड की ओर नहीं होना चाहिए, क्योंकि सोते हुए व्यक्ति का प्रतिबिंब शुभ माना जाता। शीशा, दीवार की उत्तरी और पूर्वी दीवार पर लगा होना चाहिए।

क्या हैं बेडरूम में अन्य सामान रखने के नियम

कमरे के ईशान कोण, यानी उत्तर-पूर्व दिशा की वाले हिस्से को खाली ही रखना चाहिए। बेडरूम में सोफा या कुर्सी रखने के लिए कमरे की पश्चिमी दिशा का चयन करें। इन्हें दीवार से सटाकर रखना चाहिए।

दंडासन योग के फायदे

दंडासन एक प्रभावी शरीर संरचना आसन है जो आपकी शारीरिक मजबूती को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। यह योग आसन आपके हाथों और पैरों की सहयोग से होता है। जिससे आपका शरीर एक सुडौल रूप में आता है। यह दंडासन आपके पैरों की उंगलियों पर खड़े होकर शुरू करना होता है और फिर आपके हाथ भी पैरों की उंगलियों पर आने के लिए उच्चतम बिंदु पर रखने की कोशिश करते हैं। आपका शरीर सीधा होता है और आपकी कमर को सिरे की तरफ ले जाता है, इस प्रकार आपका शरीर एक रैकट के समान बन जाता है। दंडासन का नियमित अभ्यास करने से आपकी कोर मजबूती बढ़ती है, जिससे आपके पेट, कमर, और पीठ की मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं। इसके अलावा यह आसन आपके बाएं और दाएं पैरों के बीच संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आपकी मांसपेशियों की संरचना में सुधार होता है। दंडासन का नियमित अभ्यास करने से पोस्चर सुधरता है और यह स्थैतिक शक्ति को भी बढ़ावा देता है जो आपके दिनभर की गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण होती है। इसके साथ ही यह आसन आपकी तंत्रिका तंतुओं को भी स्थिरता देता है जो आपके शरीर के नियंत्रण में मदद करते हैं। दंडासन का अभ्यास करते समय ध्यान देने वाली बात यह है कि आपका शरीर सीधा और संरचित रहे। धीरे-धीरे अभ्यास को बढ़ाते जाएं और आपके शरीर की सीमाओं के अनुसार कम करें। इसे नियमित रूप से करने से आपके शरीर की मजबूती बढ़ेगी और साथ ही आपका शरीर आकर्षक रूप में आएगा। आइए जानते हैं दंडासन योग किस प्रकार किया जाता है, जिसे अपना कर इसका लाभ लिया जा सकता है:-

1) सबसे पहले अपने पैरों को फैलाकर जमीन पर सीधा बैठ जाएं।
2) जितना हो सके अपने पैरों में खिचाव उप्पन्न करें।
3) अपने पैरों को एक साथ मिलाकर रखें और एक दूसरे के करीब ले आएं।
4) अपने कंधों को कूल्हों के समानांतर रखें।
5) अपनी रीढ़ की हड्डी को सीधा रखने के लिए अपने कंधों को सीधा रखें व हथेलियों को जमीन पर सीधा रखें।
6) पैरों को पूरी तरह से व्यस्थ रखते हुए 5 सांसों तक इसी मुद्रा में बैठे रहें।

ड्रेस के साथ ज्वेलरी डिसाइड करने के टिप्स

किसी फंक्शन में जा रहे हैं और आउटफिट के साथ परफेक्ट ज्वेलरी न हो तो पूरा लुक ही बर्बाद हो जाता है। कई बार हम किसी फंक्शन में जा रहे होते हैं और ये डिसाइड नहीं कर पाते हैं की कौन सी ज्वेलरी पहनें या कौन सी ज्वेलरी हमारे आउटफिट के साथ अच्छी लगेगी। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे कि किस नेकलाइन के साथ आपको कौन सा नेकलेस पहनना चाहिए, जिससे पार्टी में आपसे किसी की नजर ही नहीं हट पाएगी। आइए जानते हैं।।

टर्टल नेक

अगर आपने हाई नेक ड्रेस या ब्लाउज पहना है, तो आप इसके साथ लॉन्ग नेकलेस पहन सकती हैं। टर्टल नेक पर लॉन्ग नेकलेस काफी उठ कर दिखेगा।

स्वीटहार्ट नेक

स्वीटहार्ट नेकलाइन की ड्रेस के साथ आप पर डैलीकेट सा छोटा पेंडेंट नेकलेस पहन सकती हैं। स्वीटहार्ट नेक के साथ छोटा क्यू नेकलेट काफी अच्छा दिखेगा।

वी-नेक

वी-नेक ब्लाउज के साथ लेयर्ड चेन काफी अच्छी दिखती है। इसके साथ ही आप इसके साथ शॉर्ट लेंथ वाले नेकलेस भी अच्छा ऑप्शन हो सकता है। ये नेकलेस आपको काफी आकर्षक लुक देगा। वी नेक के साथ भरी-भरी ज्वेलरी आसानी से पहनी जा सकती हैं।

कॉलर नेक

कॉलर नेकलाइन ब्लाउज काफी ट्रेंड में है, अक्सर सेलेब्रिटीज को कॉलर नेक वाले ब्लाउज पहनें आपने देखा होगा। कॉलर नेक के ब्लाउज के साथ आप लेयर्ड चेन, लॉन्ग नेवलेस या चोकर भी पहन सकती हैं। ये सभी आपको स्टाइलिश लुक देंगे।

बोट नेक

बोट नेक ब्लाउज के साथ चोकर सबसे खूबसूरत लगता है, इसके साथ ही मिड लेंथ या लॉन्ग नेकलेस भी अच्छे लगते हैं।

राउंड नेक

राउंड नेक सबसे कॉमन हैं। अक्सर लोग राउंड नेक के ब्लाउज पहनते हैं इसके लिए आप किसी भी तरह का नेकलेस पहन सकती हैं- जैसे चोकर, लॉन्ग या मिड लेंथ हालांकि चॉकर इसके साथ काफी अच्छा लगेगा।

हॉल्टर नेक

हॉल्टर नेक ड्रेस या ब्लाउज के साथ आप Y शेप की नेकलेस पहन सकती हैं। हॉल्टर नेक ड्रेस या ब्लाउज में आपके शोल्डर और नेक हाइलाइट होते हैं, इसलिए Y शेप नेकलेस इसके साथ काफी अच्छा लगेगा।

दालचीनी स्वाद व सेहत के लिए लाभकारी

साबुत मसालों की फेहरिस्त में दालचीनी का नाम भी शुमार है. दालचीनी खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ-साथ डिश को महकाने में भी मददगार होती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि खुशबू के लिए ही नहीं बल्कि हेल्थ के लिए भी दालचीनी बेस्ट हो सकती है। जी हां, दालचीनी का सेवन करके आप कई गंभीर बीमारियों को मात दे सकते हैं। तो आइए जानते हैं डेली डाइट में दालचीनी खाने के बेहतरीन फायदों के बारे में.

❐ **डायबिटीज में असरदार:** हेल्थ विशेषज्ञों के अनुसार दालचीनी का सेवन करने से शरीर का ब्लड शुगर लेवल कम होने लगता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों के लिए दालचीनी खाना बेस्ट हो सकता है। इसे सेहत के लिए डेली डाइट में दालचीनी एड करके आप शुगर प्रॉब्लम को भी अवॉयड कर सकते हैं।

❐ **मेटाबॉलिज्म होगा बूस्ट:** दालचीनी खाने से बॉडी का मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। वहीं शरीर का एक्सट्रा फैट बर्न करने के लिए भी दालचीनी का सेवन बेस्ट होता है। जिससे आपको वजन कम करने में मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से निजात पाने के लिए आप डाइट में दालचीनी को एड कर सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन का राज: दालचीनी का फेस मास्क लगाकर आप त्वचा को ग्लोइंग और बेदाग बना सकते हैं। एंटी-बैक्टीरियल तत्वों से युक्त दालचीनी त्वचा के कील-मुंहासे खत्म करने में मददगार होती है। वहीं दालचीनी का फेस मास्क लगाने से स्किन कोलेजन में इजाफा होता है। जिससे आपकी त्वचा जवां और निखरी नजर आती है।

❐ **कैंसर रहेगा दूर:** दालचीनी में एंटी-कैंसर प्रॉपर्टीज भी मौजूद रहती है। ऐसे में दालचीनी का सेवन कैंसर के सेल्स से लड़ने में सहायक होता है। जिससे आपको कैंसर होने का खतरा काफी कम हो जाता है।

❐ **शार्प होगा दिमाग:** दालचीनी खाने से माइंड शार्प होता है। वहीं दालचीनी का सेवन अल्जाइमर जैसी बीमारियों को दूर रखने में भी मददगार होता है। ऐसे में मेमोरी पावर बढ़ाने और बेहतर ब्रेन फंक्शनिंग के लिए दालचीनी का सेवन बेस्ट हो सकता है।

❐ **सूजन से मिलेगी राहत:** दालचीनी को एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्वों का बेस्ट सोर्स माना जाता है। जिसके चलते दालचीनी का सेवन सूजन से छुटकारा दिलाने में भी असरदार होता है। खासकर बढ़ती उम्र के साथ गठिया और आर्थराइटिस जैसी बमारियों को अवॉयड करने के लिए आप दालचीनी को डाइट में शामिल कर सकते हैं।

❐ **दिल रहेगा हेल्दी:** दालचीनी का सेवन दिल को हेल्दी रखने का भी कारगर नुस्खा माना जाता है। दरअसल दालचीनी खाने से शरीर का बैड कोलेस्ट्रॉल लेवल कम होने लगता है। वहीं दालचीनी ब्लड प्रेशर को बेहतर बनाने में भी सहायक होती है। जिससे आपको दिल की बीमारी होने की संभावना कम हो जाती है।

हिचकियों को तत्काल रोकने के लिए अपनाएं ये तरीके

हिचकियां हालांकि नुकसानदेह नहीं है , लेकिन कभी-कभी हिचकियां इतनी तेज और जल्दी-जल्दी हो जाती है कि परेशानी बढ़ जाती है। अगर यह ज्यादा देर तक रहे तो इससे बात करने और खाना खाने में दिक्कत होती है। उस समय लोगों के दिमाग में नहीं आता कि आखिर इस हिचकियों से निपटने के लिए क्या करें। कई लोग हिचकियों को मिटाने के लिए कुछ टोटके का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इससे कुछ फायदा नहीं मिलता है। जब डायफ्राम में ऐंठन होने लगता है। जब इसमें ऐंठन होता है तब अचानक वोकल कॉर्ड की वॉल्व बंद होकर तुरंत-तुरंत खुलने लगता है। इससे एक अलग तरह की ध्वनि उत्पन्न होती है। हिचकियों का इलाज आयुर्वेद में आसानी से किया जा सकता है।

☛ **नींबू**-जब अचानक हिचकियां आ जाएं और यह जल्दी से बंद न हो,तो इसके लिए नींबू के रस और नमक को कुछ देर मुंह में रखें। हिचकियां बहुत जल्दी गायब हो जाएंगी। जब हिचकियां गायब हो जाएं तो पानी से मुंह को साफ कर लें क्योंकि नींबू में मौजूद साइट्रिक एसिड यदि ज्यादा देर तक रहेगा तो दांतों को नुकसान होगा।

☛ **इमली**-इमली भी हिचकियों को तुरंत रोक सकता है। जब हिचकियां आएं तो इमली को मुंह में रख लें और इसे चूसते रहें या इमली के पानी को पी जाएं। बहुत जल्द राहत मिलेगी। इसके अलावा छिलका रहित इमली के बीज को चूसने से भी हिचकियां रूक जाती है।

☛ **अदरक**-अदरक ऐसा खाद्य पदार्थ है जिससे कई बीमारियों का इलाज किया जा सकता है। अदरक का इस्तेमाल हिचकियां रोकने के लिए भी किया जा सकता है। हिचकियों में अदरक के स्लाइस को चूसने से बहुत फायदा मिलता है। अदरक से तत्काल लाभ मिलता है।

☛ **ब्लैकबेरी**-ब्लैकबेरी भी साइट्रस फ्रूट है जिसमें प्रचूर मात्रा में विटामिन सी पाया जाता है। जब हिचकियां तेज हो जाएं तो ब्लैकबेरी को खाएं या ब्लैकबेरी के जूस को पी लें।

☛ **जायफल**-हिचकियों को रोकने में जायफल भी बेहद कारगर हथियार है। जायफल का इस्तेमाल मसाले के रूप में किया जाता है। इसके अलावा जायफल को तेल में मिलाकर बच्चों की मालिश की जाती है।

रबड़ी खीर

अगर आपको मीठा खाना पसंद है,तो रबड़ी खीर का लुत्फ उठाना चाहिए। इस स्वीट डिश का नाम सुनकर ही मुंह में पानी आ जाता है। इस डिश को बनाना बेहद आसान है और खीर में रबड़ी का इस्तेमाल कर इसे बनाया जाता है। यह स्वीट डिश आपके मुंह में मिठास घोल देगा। अगर आप घर पर रबड़ी खीर बनाना चाहते हैं, तो इसकी रेसिपी बेहद सिंपल है। आइए जानते हैं इसे बनाने की आसान विधि-

आवश्य सामग्री - चावल - 1/4 कप, दूध - 2 लीटर, चीनी - 1/2 कप, देसी घी - 1 टेबलस्पून, काजू - 10-12 पीस, बादाम - 10-12 पीस, पिस्ता - 10-12 पीस, इलायची - 1/4 टीस्पून

बनाने की विधि - सबसे पहले एक कड़ाही लें और उसमें एक लीटर दूध डालकर मीडियम आंच पर रख दें। जब तक दूध गर्म हो रहा है, तब तक चावल को धोकर कम से कम आधे घंटे के लिए पानी में भिगो दें। दूध को गर्म करते समय चलाते रहें और जब-जब उबाल आए, उसमें जो मलाई पड़े उसे कड़ाही के किनारे चिपकाते जाएं। दूध तब तक उबालें, जब तक वह आधा न हो जाए। अब जो मलाई किनारे पर इकट्ठा की है, उसे दूध में डालकर अच्छी तरह मिला लें। आपके खीर के लिए रबड़ी बनकर तैयार हो गई है। इस रबड़ी को एक बर्तन में निकालकर रख दें। अब एक दूसरी कड़ाही लें और उसमें 1 टेबलस्पून देसी घी डालकर गर्म करें। जब घी पिघलने लगे तो उसमें काजू और बादाम डालकर अच्छे से रोस् करें। इसके बाद इसे एक प्लेट में निकाल लें और ठंडा कर छोटे-छोटे पीस काट लें। अब कड़ाही को अच्छी तरह पोछ लें और उसमें बचा हुआ एक लीटर दूध डालकर उबाल लें। जब दूध उबलना शुरू हो जाए तो भिगोए हुए चावल को दरदरा पीसकर उसमें डाल दें। खीर को चलाते हुए पकने दें और करीब 3 से 4 मिनट बाद उसमें काजू और बादाम डाल दें। जब चावल अच्छी तरह से पक जाए तो उसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर मिक्स करें। अब जब खीर बनकर तैयार हो गई है तो उसमें रबड़ी डालकर 2-3 मिनट तक अच्छी तरह पकाएं और गैस बंद कर दें। अब टेस्टी रबड़ी खीर बनकर तैयार हो गई है। इसे सर्व करें। इसे आप 1 घंटे तक फ्रीज में रखकर ठंडी-ठंडी रबड़ी खीर का स्वाद भी ले सकते हैं।

अधिक भंडारण के लिए बाथरूम अलमारी डिजाइन

अलमारी बाथरूम स्थान का एक महत्वपूर्ण तत्व हैं। चूंकि यह आपके निवास का एक विशेष कोना है, इसलिए बाथरूम को आपके सभी आवश्यक सामानों को आसान पहुंच के साथ संग्रहीत करने के लिए सही भंडारण स्थान की आवश्यकता होती है। चाहे आपके पास छोटा बाथरूम हो या विशाल, आलीशान, आप जितनी चाहें उतनी अलमारियाँ स्थापित कर सकते हैं। हालाँकि, आपको बस थोड़ा स्मार्ट होना होगा। तो क्या आप सोच रहे हैं कि कौन सा बाथरूम अलमारी डिज़ाइन चुनें? वैसे, कई डिज़ाइन हैं। इन दिनों, आपके पास भंडारण के लिए वॉशबेसिन अलमारी डिज़ाइन का उपयोग करने के पर्याप्त विकल्प हैं। इनके अलावा, आपके स्थान को बढ़ाने के लिए सुंदर अलमारियाँ भी हैं। अपने घर में अधिक भंडारण के लिए वॉशरूम अलमारी डिज़ाइन देखें।

यदि आप अधिक भंडारण की तलाश में हैं, तो इस उत्पाद को हाथ दें। अलमारी का एक किनारा खुला है और दूसरा हिस्सा रैक के दूसरे सेट से ढका हुआ है। इस अलमारी की सबसे अच्छी बात यह है कि यह दीवार पर लटकी हुई है। इसलिए, आप भंडारण के लिए जूट की टोकरियाँ या डिब्बे रखने के लिए जगह का उपयोग कर सकते हैं।

चौड़ी आयताकार अलमारी

समकालीन या पारंपरिक दिखने वाले बाथरूम सजावट के लिए भूरे रंग के लकड़ी के वॉशबेसिन अलमारी डिजाइन सबसे अच्छे हैं। इस ट्रिपल डोर स्टोरेज का डिज़ाइन अनोखा है जो बाथरूम के किसी भी कोने में फिट बैठता है। वास्तविक सुंदरता को उजागर करने के लिए इसे एक स्टाइलिश दर्पण और आधुनिक रोशनी के साथ जोड़ें।

भंडारण के साथ विशाल बाथरूम

लोग अपने घर में तरोताजा होने और सजने-संवरने के लिए आम जगह का चयन कर रहे हैं। यदि आप उनमें से एक हैं, तो यह डिज़ाइन विचार आपके लिए है। अपने घर के विशाल क्षेत्र को चिह्नित करें और इसे वॉशबेसिन के साथ अलमारी और ड्रेसिंग क्षेत्र से सजाएं। अलमारी डिज़ाइन वाला बाथरूम एक ही स्थान पर दो उद्देश्यों को जोड़कर स्थान और धन बचा सकता है।

समकालीन ड्रेसिंग रूम का विचार

शौचालय अलमारी के डिज़ाइन घरों के लिए भी लोकप्रिय हो रहे हैं। 7-सितारा होटलों और इसी तरह के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों ने इस विचार का प्रीमियर किया है। लेकिन अब, व्यस्त घर इसे अपने पसंदीदा विकल्प के रूप में अपना रहे हैं। ये अलमारी डिज़ाइन आपके सामान को साफ सुथरा रखने के लिए पर्याप्त जगह प्रदान करते हैं।

काला और सुनहरा पारंपरिक भंडारण स्थान

उबाऊ बाथरूम सजावट विचारों को छोड़ें। घर लाएं आधुनिक फर्नीचर जो बाथरूम को आकर्षक और सुंदर बनाएगा। वॉशबेसिन भंडारण कैबिनेट का घुमावदार पैर इस सजावट विचार में सभी आकर्षण को आकर्षित करता है। इसके अलावा, आपको डिज़ाइन से मेल खाने के लिए एक दीवार अलमारी मिलती है।

अधिक भंडारण के लिए बाथरूम अलमारी डिजाइन

रश्मिका ने 'एनिमल' स्टार रणबीर के साथ सेल्फी के पीछे की बताई कहानी

रश्मिका मंदाना ने 2022 में बॉलीवुड में फिल्म 'गुडबाय' से डेब्यू किया। 2023 में रश्मिका निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल' में रणबीर कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ नजर आईं। इस फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली, लेकिन रश्मिका और रणबीर की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया।

एनिमल के सेट की आखिरी सेल्फी

Mashable के साथ बातचीत में रश्मिका ने बताया कि फिल्म 'एनिमल' के आखिरी दिन उन्होंने रणबीर कपूर से कहा, 'हमें एक तस्वीर लेनी चाहिए, क्योंकि वह आमतौर पर सेट पर फोटो नहीं खींचतीं।' उन्होंने आगे कहा, ₹रणबीर बहुत दयालु और सहयोगी हैं। वह मेरे लिए एक अच्छे दोस्त हैं।₹ उस सेल्फी में रश्मिका ने नीला कुर्ता पहना था, जबकि रणबीर लंबे बाल और दाढ़ी वाले लुक में थे।

एनिमल पार्क के बारे में

रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर जल्द ही फिल्म एनिमल के दूसरे भाग 'एनिमल पार्क' में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग 2026 में शुरू होगी। यह फिल्म पहले भाग से कहीं और ज्यादा दमदार होगी। बहरहाल, फिल्म को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

रश्मिका और रणबीर का वर्कफ्रंट

रश्मिका फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म के अलावा रश्मिका फिल्म 'थामा' में नजर आएंगी। इस फिल्म में रश्मिका के साथ आयुष्मान खुराना नजर

आएंगे। वहीं रणबीर कपूर निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर के साथ आलिया भट्ट और विक्की कौशल मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म के अलावा रणबीर फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणबीर कपूर- भगवान राम, साई पल्लवी- माता सीता, सनी देओल- हनुमान और साउथ एक्टर यश- रावण की भूमिका में नजर आएंगे।

फैंस के साथ जल्द 52 सेल्फी शेयर करेंगी जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर जल्द ही फैंस के साथ जल्द ही सोशल मीडिया पर 52 सेल्फी शेयर करेंगी। जान्हवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फ्लाइट से अपनी फोटोज शेयर की हैं।इसके साथ जान्हवी ने कैप्शन लिखा है, 'पोस्ट करने के लिए 52 और सेल्फी थीं, लेकिन उनमें बहुत सारी स्नीक पीक थे, इसलिए मैं कंट्रोल कर रही हूं और आप लोगों को असली चीज देखने के लिए इंतजार करना होगा'। जान्हवी कपूर ने लिखा है, 'बाकी तस्वीरें आएं, तब तक सूजी हुई आंखों के साथ हल्की धूप में भीगीं फ्लाइट से कुछ सेल्फी और ढेर सारा प्यार'। जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'परम सुंदरी' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म पहले 25 जुलाई को रिलीज होनी थी, लेकिन अब यह पोस्टपोन हो गई है। अब यह फिल्म अगस्त में रिलीज हो सकती है।

बॉलीवुड

वरुण की फिल्म 'बेबी जॉन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

27 जुलाई को ज़ी सिनेमा पर होगा

स्टार वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, 27 जुलाई को ज़ी सिनेमा पर होगा। कलीस के निर्देशन में बनी और जियो स्टूडियोज़, एटली, ए फॉर एप्पल स्टूडियोज़ और सिने 1 प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत फिल्म 'बेबी जॉन' दमदार एक्शन थ्रिलर है।बेबी जॉन' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 27 जुलाई को रात 8 बजे, सिर्फ़ ज़ी सिनेमा पर होगा। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, और जैकी श्रॉफ की अहम भूमिका है। वरुण धवन ने कहा,मुझे हमेशा ऐसे किरदार पसंद रहे हैं जो खुशमिजाज़ और मास अपील वाले हों। 'बेबी जॉन' ने मुझे ऐसा ही किरदार निभाने का मौका दिया। साथ ही मुझे एक इंटेंस किरदार को भी एक्सप्लोर करने का चैलेंज मिला। मुझे खुशी है कि ये फिल्म अब ज़ी सिनेमा के ज़रिए पूरे देश तक पहुंच रही है।यकीन मानिए, इसमें मेरा दिल लगा है। कीर्ति सुरेश ने कहा, "मेरे लिए परिवार सबसे बड़ी चीज़ है और ये फिल्म उसी भावना को बखूबी दिखाती है। उम्मीद है कि ये कहानी आपके दिल तक पहुंचेगी। ज़रूर देखिए 'बेबी जॉन' का प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर।" वामिका गब्बी ने कहा, 'बेबी जॉन' मेरे लिए एक बड़ा लर्निंग एक्सपीरियंस रहा, क्योंकि ये फिल्म बहुत तेज़, गंभीर और डिमांडिंग थी। लेकिन हमने पूरी टीम के साथ मिलकर दिल से काम किया और मुझे खुशी है कि अब दर्शक इसे ज़ी सिनेमा पर देख पाएंगे।"

कृति खरबंदा ने अपनी ड्रीम वेडिंग पर की दिल की बात

अभिनेत्री कृति ने अपने लंबे समय के पार्टनर पुलकित सम्राट के साथ अपने जुड़ाव की बात की जो उनकी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों को परिभाषित करता है। कृति खरबंदा का कहना है कि कि उनके लिए प्यार महज़ एक एहसास नहीं, बल्कि एक सच्चाई है जिसे वह हर दिन जीती हैं।

कृति खरबंदा अपनी पीढ़ी की सबसे उम्दा अभिनेत्रियों में से एक हैं। हाल ही में उन्होंने राणा नायडू सीज़न 2 में अपने दमदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया। लेकिन उनके ऑन-स्क्रीन टैलेंट से परे, जो चीज़ कृति को और भी खास बनाती है, वह है उनका रिश्ता पुलकित सम्राट के साथ। कृति के लिए प्यार महज़ एक एहसास नहीं, बल्कि एक सच्चाई है जिसे वो हर दिन जीती हैं। अपने लंबे समय के पार्टनर पुलकित सम्राट के साथ अपनी शादी को लेकर कृति ने दिल खोलकर उस जादू, खुशी और गहरे जुड़ाव की बात की जो उनकी जिंदगी के सबसे खूबसूरत पलों को परिभाषित करता है।

कृति ने कहा, "वो चार से छह दिन मेरी ज़िंदगी के सबसे ख़ुशनुमा दिन थे। मेरे पास उसे बयान करने के लिए शब्द नहीं हैं। हम बस पुलकित और कृति थे।"

कृति ने साझा किया कि उनकी शादी महज़ दो लोगों का मिलन नहीं थी, बल्कि एक ऐसी मोहब्बत का उत्सव थी जो किस्मत जैसी लगती है। उन्होंने कहा,मुझे मेरे सपनों की शादी मिली। मुझे मेरे सपनों का परिवार मिला। मुझे ये पसंद है कि मैं घर लौटती हूं और वो मेरा घर है।

कृति ने कहा, "पुलकित और मैंने शादी से पहले एक-दूसरे की वेडिंग ड्रेस नहीं देखी थी। मैं एक बहुत पारंपरिक शादी चाहती थी और इस बारे में मेरी सोच बिल्कुल स्पष्ट थी।हर बार जब मैं उसे दूल्हे के रूप में देखती थी, वो पल कुछ और ही था। मैंने उसे उसी पल, उसी वरमाला में अपना बना लिया।

कृति ने कहा कि पुलकति के साथ उनका रिश्ता परंपरा और आधुनिकता का खूबसूरत संगम है, जो प्रेम में जड़ें रखता है और आपसी सम्मान से बंधा है।

पहली बार साथ नजर आए तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया पिछले कुछ समय से डेटिंग की अफवाहों को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वहीं आज मुंबई एयरपोर्ट में दोनों को एक साथ देखा गया। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर नेटिजेंस के बीच चर्चा का विषय बन चुका है।

हाल ही में तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया के बीच डेटिंग रूमर्स को लेकर कई खबरें सोशल मीडिया पर आईं। लेकिन आज वीर और तारा का मुंबई एयरपोर्ट में एक साथ देखने के बाद उनके रिश्तें को लेकर कई अटकलें शुरू हो गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस लेटेस्ट वीडियो में तारा और वीर दोनों सफेद रंग की ड्रेस में नजर आए। तारा सफेद को-ऑर्ड्स में कमाल की दिखीं, तो वहीं वीर बेज रंग की शर्ट और सफेद पैंट में बेहद हैंडसम दिखे। दोनों ने धूप का चश्मा पहना हुआ है, जिसमें दोनों स्टार्स स्टाइलिश नजर आ रहे हैं।

इस वीडियो से पहले तारा की पोस्ट पर वीर पहाड़िया के कमेंट और तारा के रिप्लाई ने यूजर्स का ध्यान खींचा था। तारा की इस तस्वीर में एपी ढिल्लों उनके साथ नजर आ रहे है। यह उनके गाने रुतू ही ऐ चान्न, मेरी रात ऐ तूर की तस्वीर है। वीर ने तारा की इस तस्वीर पर एक स्टार और लाल दिल वाले इमोजी के साथ 'माई' पोस्ट किया था। वहीं तारा ने जवाब में लिखा, 'मेरा' और साथ ही लाल दिल वाला इमोजी बनाया।

कहा- 'पांच मिनट वॉशरूम इस्तेमाल करने के लिए...

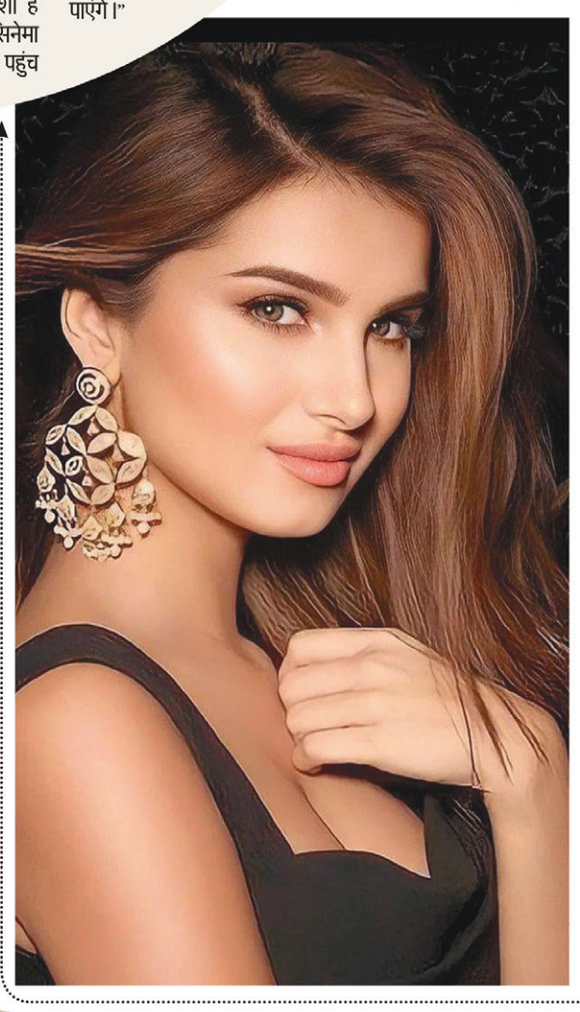

कई अभिनेत्रियों ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में सैलरी और सुविधाओं को लेकर भेदभाव पर बात की है। अब नुसरत भरूचा ने भी इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने हाल ही में कहा है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री में महिलाओं के साथ अलग ही व्यवहार होता है। उनका कहना है कि पुरुषों के लिए सेट पर अच्छा वॉशरूम सेट से लेकर अच्छी वैनिटी वैन होती है। हालांकि महिलाओं के लिए सुविधाओं में कमी रहती है।

बिग बी और आमिर खान पर लगा लाखों का जुर्माना

महंगी-महंगी गाड़ियों से चलने वाले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान पर कर्नाटक के आरटीओ ने जुर्माना लगाया है। जी हां, सही सुना आपने। इन दोनों स्टार्स ने रोड टैक्स नहीं भरा है, जिस कारण दोनों का नाम आरटीओ के जुर्माना वाले नोटिस में नजर आ रहा है। जानिए क्या है पूरा मामला और कौन हैं केजीएफ बाबू।

अमिताभ और आमिर खान के नाम पर ही रजिस्टर हैं गाड़ियां

दरअसल, कर्नाटक के आरटीओ में दो रॉल्स रॉयस पर रोड टैक्स का भुगतान न करने के कारण लाखों का जुर्माना चढ़ा हुआ है। ये दोनों ही गाड़ियां अमिताभ बच्चन और आमिर खान जैसे स्टार्स के नाम पर हैं। हालांकि, मौजूदा वक्त में ये दोनों ही गाड़ियां अमिताभ या आमिर खान के पास नहीं हैं। बल्कि बेंगलुरु के व्यवसायी और राजनेता यूसुफ शरीफ उर्फ 'केजीएफ बाबू' इन गाड़ियों के मौजूदा मालिक हैं। ये जुर्माना भी केजीएफ बाबू पर ही लगा है। यूसुफ शरीफ पर अब कर्नाटक में स्थानीय रोड टैक्स चुकाए बिना लग्जरी गाड़ियां चलाने के लिए कुल 38.26 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

इनमें एक रॉल्स रॉयस फैंटम है, जो कभी बिग बी की थी और दूसरी रॉल्स रॉयस घोस्ट है, जो पहले आमिर खान की थी। ये दोनों कारें अभी भी महाराष्ट्र में आधिकारिक तौर पर दोनों सुपरस्टार्स के नाम से ही रजिस्टर हैं। हालांकि, अब दोनों में से किसी के पास भी ये गाड़ियां नहीं हैं।

इसलिए लगा जुर्माना

परिवहन अधिकारियों ने जानकारी दी कि फैंटम 2021 से और घोस्ट 2023 से बेंगलुरु की सड़कों पर दिखाई दे रही है। कर्नाटक कानून के अनुसार, राज्य में एक वर्ष से अधिक समय से उपयोग किए जा रहे वाहनों का स्थानीय स्तर पर फिर से रजिस्टर कराना और उसके अनुसार टैक्स लगाना जरूरी है। लेकिन इन दोनों ही गाड़ियों ने ऐसा नहीं किया है और दोनों का टाइम भी पूरा हो चुका है। इसलिए आरटीओ ने फैंटम पर 18.53 लाख रुपये और घोस्ट पर 19.73 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

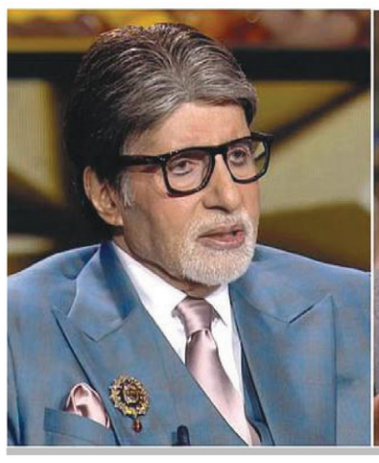

इंडस्ट्री में भेदभाव पर बोलीं नुसरत भरूचा

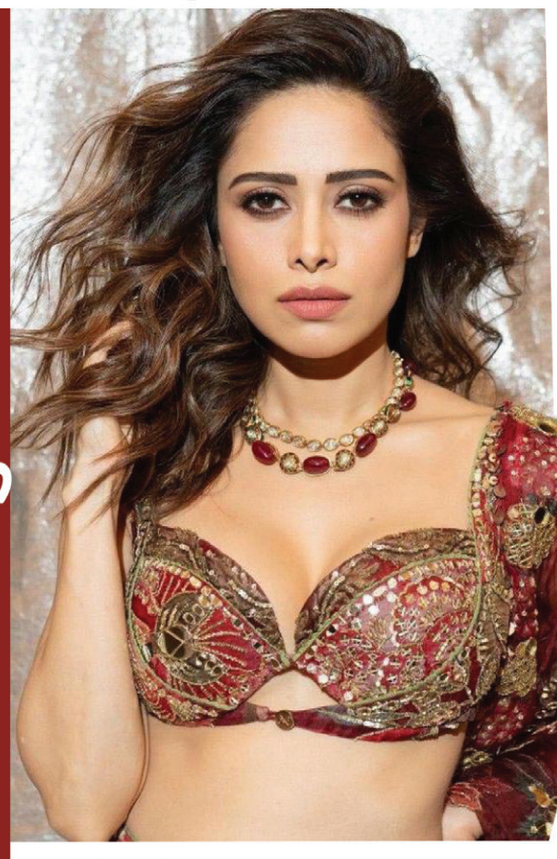

जितने विकल्प हीरो को मिलते हैं हमें नहीं मिलते

नुसरत ने हाल ही में नयनदीप रक्षित के साथ बातचीत में बताया है 'जैसे ही बंदा हिट देता, वह इनसाइडर हो या आउटसाइडर इससे फर्क नहीं पड़ता है। उसे तुरंत पांच फिल्में मिल जाएंगी। हालांकि महिलाओं को संघर्ष करते रहना पड़ता है। मैं 'प्यार का पंचनामा (2011)' से यह बात बोलती आ रही हूं। बस, आपको मौके की जरूरत होती है। जितने ऑप्शंस हीरो को मिल जाते हैं। उतने हमें नहीं मिलते।'

5 मिनट वॉशरुम इस्तेमाल करने के लिए लेती थी इजाजत

नुसरत ने आगे कहा 'एक वक्त था जब मैं पूछती थी कि क्या पांच मिनट के लिए हीरो की वैनिटी इस्तेमाल कर सकती हूं? वह यहां नहीं है क्या मैं वाशरुम इस्तेमाल कर लू? हालांकि मैं उस वक्त शिकायत नहीं करती थी। मैं खुद से कहती थी कि मैं खुद को ऐसी जगह लाउंगी जहां चीजें अपने आप मिलें।'

बिजनेस क्लास में चलती हैं नुसरत

नुसरत भरूचा ने बताया कि एक बार उन्हें फिल्म में छोटा रोल मिला था। उनके साथी अभिनेता को बिजनेस क्लास की टिकट मिली लेकिन उन्हें इकोनॉमी क्लास की। उनके साथियों ने उन्हें बिजनेस क्लास में बैठने के लिए कहा लेकिन वह नहीं आईं। आज वह बिजनेस क्लास में ही सफर करती हैं।

विद्या बालन के साथ इंटीमेट सीन से पहले बिना ब्रश किए आ गया था एक्टर

बड़े पर्दे पर अभिनेत्री और अभिनेता के बीच चंद सेकंड के इंटीमेट सीन्स को ऑफ-स्क्रीन फिल्माने में उनके पसीने छूट जाते हैं। कुछ इंटीमेट सीन्स शूट के वक्त कांपने लगते हैं तो कुछ बार-बार रीटेक करके शूट करते हैं। हाल ही में, विद्या बालन ने अपना अनुभव शेयर किया है। विद्या बालन को फिल्मी दुनिया में 20 साल हो गए हैं। अभिनेता ने साल 2005 में सैफ अली खान और संजय दत्त स्टारर फिल्म परिणीता से बॉलीवुड में कदम रखा था। हाल ही में, विद्या बालन ने करियर के शुरुआती दौर में फिल्माए गए इंटीमेट सीन का अनुभव सुनाया है।

बिना मुंह धोए सेट पर आ गया था एक्टर

विद्या बालन ने रिवील किया कि एक एक्टर के साथ उन्हें इंटीमेट सीन शूट करना था लेकिन वह बिना ब्रश किए ही सेट पर आ गया। द हॉलीवुड रिपोर्टर के साथ बातचीत में विद्या बालन ने कहा- एक एक्टर था जिसने चाइनीज खाया था। उसने ब्रश नहीं किया और मेरा उसके साथ एक इंटीमेट सीन था। मैं अपने मन में कह रही थी, 'क्या तुम्हारे पास कोई पार्टनर नहीं है? मैं उसे मिंट भी ऑफर नहीं कर सकती थी। मैं बहुत नई थी और डरी भी थी।

खबर-खास

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के जन्मदिन पर बच्चों को मिला नेवता भोज

साजा (समय दर्शन)। थानखम्हरिया समीपस्थ ग्राम उमरावनगर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पवन कुमारी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर उनके सुपुत्र प्रदीप साहू द्वारा प्राथमिक शाला उमरावनगर के बच्चों के लिए नेवता भोज का आयोजन किया गया। यह आयोजन बच्चों के प्रति प्रेम और स्नेह की एक सुंदर मिसाल भी बना। विद्यालय के प्रांगण में हुए इस स्नेह भोज में बच्चों को स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन परोसा गया एवं बच्चों ने बड़े आनंद और उत्साह के साथ ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानपाठिका अनिता साहू एवं शिक्षकगण अंजली शर्मा, हेमन्त साहू एवं संजय बंजारे उपस्थित रहे।

महिला समुह के लोन के राशि को कंपनी के बैंक खाते में जामा न कर स्वयं उपभोग करते हुए 6 लाख 54 हजार 802 रूपये का धोखाधड़ी करने वाले आरोपी गिरफ्तार

गरियाबंद। मामले का विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी 24 जुलाई को थाना उपस्थित आकर लिखित रिपोर्ट दर्ज कराया कि यह वर्तमान में सेटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क लिमिटेड कंपनी शाखा देवभोग में डी.आर.एम.के पद पर पदस्थ है।सेटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क लिमिटेड एक गैर बैकिंग वित्तीय कंपनी है।जो गरीब महिलाओं का समूह बनाकर समूह ऋण एवं अन्य वितरण कार्य कर उन्हें समक्ष सषक्त बनाने का कार्य कर रहे है। सेटिन क्रेडिट केयर नेटवर्क लिमिटेड कंपनी देवभोग में 3 जनवरी 2023 से 24 फरवरी 2025 तक उमाकांत पूरी पिता मनोरंजन पूरी उम्र 30 साल ग्राम भिलाईगढ़ थाना सरायपाली जिला महासमुन्द छ.ग. प्रबंधक के पद पर पदस्थ था।जो प्रबंधक महिला ग्राहकों को लोन राषि वितरण कर लोन की राशि को एकत्रित करने का कार्य करता था।प्रबंधक उमाकांत पूरी के द्वारा अपने कार्यकाल में 1 मई 2024 से 20 मार्च 2025 तक लोन वितरण की राषि को कंपनी में वसूली किया था।कुछ ग्राहक स्वंय देवभोग शाखा में उपस्थित होकर प्रबंधक उमाकांत पूरी के पास लोन राषि शाखा में जमा किये थे। कुछ ग्राहक उनके मोबाइल नंबर पर फोन-पे में लोन की राषि जमा किये थे।आरोपी उमाकांत पूरी पिता मनोरंजन पूरी उम्र 30 वर्ष ग्राम भिलाईगढ़ थाना सरायपाली जिला महासमुन्द के द्वारा प्राप्त लोन की राषि को शाखा के खाते में जमा न कर स्वंय के खर्चे में उपभोग कर राषि का धोखाधडी कर गबन किया गया है। प्रकरण में प्रथम दृष्टिया अपराध धारा 318(2), भा. न्याय. संहिता का अपराध घटित कराना पाये जाने से आरोपी के विरूद्ध अपराध पंजीबद्व कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान प्रार्थी से बैंक प्रमाण पत्र, जीएसटी प्रमाण पत्र, आरोपी का शाखा प्रबंधक का नियुक्ति प्रमाण पत्र, फोन-पे स्कीन शार्ट, ग्राहको का लोन लेन-देन राषि विवरण कागजात जप्त किया गया है।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202507101500033

मामले की श्रेणी- राजस्व
विषय:-अ/74
वर्ष:-2024-2025
मगरघटा प.ह.न. 00001(हे0)
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार- श्वेता मिश्रा,
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्वसाधरन एवं ग्राम मगरघाट प.ह.न. 01 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदिका श्वेता मिश्रा पिता जानकी प्रसाद मिश्रा निवासी ग्राम रायपुर द्वारा ग्राम मगरघटा प.ह.न. 01 तहसील पाटन, जिला दुर्ग स्थित अपने नाम दर्ज भूमि ख.नं. 227/15 रकबा 0.0092 हे0 का मूल ऋण पुस्तिका गुम जाने से थाना रिपोर्ट, नोडयूज प्रमाण पत्र, दस्तावेज सहित ऋण पुस्तिका प्रदाय किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायलय में विचाराधीन है।

अत: आवेदिका श्वेता मिश्रा पिता जानकी प्रसाद मिश्रा द्वारा ग्राम महकाकला को द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदाय की कार्यवाही मे जिस किसी व्यक्ति /संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 07/08/2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियम तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 25/07/2025 को जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन जिला दुर्ग (छ ग़)

छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल, किरन्दुल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हरेली तिहार

दंतेवाड़ा किरंदुल (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ भवन किरंदुल में छ्त्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के तत्वाधान में गुरूवार शाम को छत्तीसगढ़ का प्रथम त्यौहार हरेली महापर्व का आयोजन मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) श्री के.पी.सिंग के मुख्य आतिथ्य तथा विशेष अतिथिगण महाप्रबंधक खनन एस के कोचर, उपमहाप्रबंधक (मा.सं.) श्रीमती के.एल.नागवेणी, नगर पालिका परिषद अध्यक्ष,श्रीमती रूबी सिंह, शैलेन्द्र सिंग, किरन्दुल श्री शशिभूषण महापात्रा ,श्रमिक संघ इंटक के सचिव श्री ए के सिंह,उप निरीक्षक श्री लीलाराम गंगबेर, श्री उत्कर्ष देवांगन, शाखा प्रबंधक एस बीआई तथा किरन्दुल नगर के विभिन्न छत्तीसगढी समाज के प्रमुख एवं महिला प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूरी रीति-रिवाज के साथ किया गया।सावन माह के कृष्ण पक्ष अमावस्या में मनाया जाने वाला हरेली पर्व में अच्छी फसल की कामना के साथ अन्नदाता बैल और हल सहित कृषि कार्य में उपयोग होने वाले अन्य उपकरणों और औजारों की विशेष पूजा अर्चना कर खेती किसानी का कार्य प्रारम्भ करते है। अतिथिगणों के साथ पूजा का कार्यक्रम कचरू बैगा के करकमलों

से सम्पन्न हुआ, देवेन्द्र साहू, पिलेश्वर निषाद , कीर्ति राणा, सावित्री निषाद व साथियों ने छत्तीसगढ़ राज्य गीत प्रस्तुत किया।सचिव पी एल साहू ने स्वागत उदबोधन में छत्तीसगढ के प्रथम तिहार हरेली के महत्व को बताते हुए सभी को पर्व की बधाई दी।उपस्थित सदस्यों ने छत्तीसगढी हरेली गीत के साथ गेड़ी का भरपुर आनंद लिया।कार्यक्रम के अंत मे प्रसाद व मिष्ठान वितरण किया गया।धन्यवाद ज्ञापन अध्यक्ष लोकनाथ एवं कार्यक्रम का संचालन बी एल तारम ने किया ।

हरेली महापर्व के इस शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के अध्यक्ष लोकनाथ चुरेन्द्र, सचिव पी एल साहू, कार्यालय सचिव डागेंद्र वर्मा,संरक्षक नागेश्वर नांदल, उप महाप्रबंधक (खनन),शुशांत रामटेके,विनोद मंडले,पलक राम,कल्याण सिंघ रावटे,देवेन्द्र लाला साहू,पतिराम , पिलेश्वर निषाद, परमेन्द्र पटेल,गुलेंद्र, दिलीप ठाकुर,लीलाधर यादव,जीवन साहू,, घनश्याम वर्मा, वीरेंद्र साहू, दिलीप ठाकुर,मोहित देशमुख,वीरेन्द्र वैष्णव,ओमकुमार साहु,अनिल साहु,योगेश साहू,सूरज सिप्पी,पार्षद अमृत तन्दन,गौरीशंकर जाटवार,द्द्रुठ्ठस्त्रद्गह्यद्ध,अनुराग,चंचल देवांगन,गोविंद उइके,जीवन साहू, , पार्षद कीर्तनी राणा ,पार्षद गायत्री ,ईश्वरी वर्मा, ,सहित संस्था के सभी वरिष्ठ सदस्य एवं मातृ शक्ति तथा बच्चे भारी संख्या मे उपस्थित थे।

कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने सुबह 10 बजे से शुरू किया सारंगढ़ के कार्यालयों का निरीक्षण

समय पर कार्यालय नहीं पहुंचने वाले 50 अधिकारी कर्मचारी को मिला नोटिस

सारंगढ़ बिलाईगढ़, (समय दर्शन) /कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने शुक्रवार को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक सारंगढ़ के कलेक्ट्रेट के विभिन्न शाखाओं, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसील कार्यालय, पीडब्ल्यूडी, जिला शिक्षा अधिकारी, बीईओ, बीआरसी, आदिवासी विकास आदि कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कार्यालय में अनुपस्थित सभी अधिकारी कर्मचारियों को कार्यालय में समय पर अनुपस्थिति के संबंध में कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने सिविल सेवा आचरण 1965 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है और जवाब प्राप्त होने के बाद विभागीय कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान अपर कलेक्टर एस के टंडन, सीईओ इंद्रजीत बर्मन उपस्थित थे।

नोटिस प्राप्त अधिकारी कर्मचारियों के नाम- सारंगढ़ के विकास खंड शिक्षा

अधिकारी रेशम लाल कोसले, कलेक्टोरेट के सहायक ग्रेड 2 शैलेन्द्र पटेल, सोमदत्त पटेल, ममता नंदे, भू अभिलेख शाखा के सहायक अधीक्षक कमल सिंह ठाकुर, विकास साहू, सहा.ग्रे.3 गीता नायक, खनिज शाखा के सहा.ग्रे. 2 सूरज महंत, प्रोसेस सर्वर अनुराग नंद, सिपाही ज्योति पाल, खाद्य शाखा के आपरेटर गिरिवर कुर्रे, करम यादव, सहायक प्रोग्रामर इंदु प्रधान, रितेश साहू, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के सहा.ग्रे.2 डी के हरदिहा, संतोष देवांगन, सहा.ग्रे.3 पिंकी कंवर, मिनकेतन जायसवाल, तहसील कार्यालय के सहा.ग्रे. 2 राजेश गुप्ता, अरविंद पटेल, सहा.ग्रे.3 निशांत यादव, कांता उरांव, संजय सिदार, सुभाष उरांव, ऑपरेटर पूजा बरेठ, भृत्य अंजनी अरिल्ले, सोमेश्वर यादव, साधुराम साव, लोक निर्माण विभाग के मानचित्रकार ठाकुर राम राठिया, सहायक मानचित्रकार गिरीश पटेल, सहायक ग्रेड 2 गजेन्द्र यादव, सहायक ग्रेड 3 छवि श्याम धृतलहरे, लोमेश राठिया, सत्यानंद अजगल्ले, नितीश निराला, एन के भारती, स्थल सहायक एस आर अजय, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सहायक ग्रेड 3 रविन्द्र पटेल, रूपा रत्नेश, मधु देवांगन, विवेक सिदार, ऑपरेटर पंकज साहू, उमाकांत, चपरासी बाल्मीकि सिदार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

नौकरी लगवाने के नाम पर 12 लाख रूपये का धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपियो गिरफ्तार

गरियाबंद। नौकरी लगाने के नाम से 12 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने वाले दो आरोपी को गिरफ्तार किया गया।घटना के विषय में मिली जानकारी के अनुसार 24 जुलाई को आवेदक के द्वारा थाना राजिम में अन्य साथियों के साथ उपस्थित आ कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वर्ष 2021 में अनावेदक ओंकार चौरे उर्फ राजा से मुलाकात होने पर बताया कि महासमुंद में राजस्व विभाग में चपरासी और लिपिक के पदों पर भर्ती निकला है।वही महासमुंद में पहचान का एक व्यक्ति योगेश ठाकुर है जो कई लोगों का नौकरी लगवाया है। अनावेदक योगेश ठाकुर एवं ओंकार चौरे के द्वारा आवेदक एवं अन्य साथियों को नौकरी लगवाने के नाम पर अपने झांसे लेकर कुल 12 लाख रूपये का धोखाधड़ी किया है।प्रकरण के जाँच के दौरान आरोपिगण के विरूद्ध प्रथम दृष्टिया अपराध धारा 420,294,506,34 भादवि0 का अपराध घटित करना पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना के दौरान दो आरोपियों योगेश कुमार ठाकुर पिता स्व0 भागवत सिंह ठाकुर उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम बगारपाली नीम चौक नयाबस्ती थाना पिथौरा महासमुंद जिला महासमुंद और ओंकार चौरे उर्फ राजा पिता स्व.जितेन्द्र चौरे उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पोंड थाना पाण्डुका जिला गरियाबंद की पतासाजी कर पुलिस अभिरक्षा में लेकर प्रकरण के संबंध में विस्तृत पुछताछ करने पर आरोपियो द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि वर्ष 2021 व 2022 के दौरान आवेदकों से नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी करने के नियत से नगद,बैंक ट्रांजेक्शन,एवं फोन-पे के माध्यम से कुल 12 लाख रूपये का धोखाधड़ी करना स्वीकार किये। आरोपीगण के कब्जे से समक्ष गवाहन के बैंक पास बुक,दो नग मोबाइल फोन, आधार कार्ड जप्त कर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायलय के समक्ष पेश किया गया।इस कार्यवाही में राजिम पुलिस टीम की विशेष भूमिका रही।

जिले को कुपोषण मुक्त करने जिला प्रशासन तत्पर - कलेक्टर उइके

कुपोषित बच्चों की जांच एवं ईलाज के लिए सामाजिक दायित्व का कर रहे निर्वहन - डॉ भट्टर

गरियाबंद के ऑक्सन हॉल में कुपोषित बच्चों के लिए मेगा हेल्थ कैम्प का हुआ आयोजन

गरियाबंद। जिले को कुपोषण मुक्त करने तथा बच्चों के बेहतर देखभाल के लिए कलेक्टर बी.एस.उइके ने नवीन पहल की है।कलेक्टर के निर्देशानुसार कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज के लिए आज गरियाबंद के वन विभाग ऑक्सन हॉल में मेगा हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। इस विशेष स्वास्थ्य शिविर में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक भट्टर एवं उनकी टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का गंभीरतापूर्वक स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज किया गया। साथ ही बच्चों के पालकों को बच्चों के बेहतर देखभाल एवं कुपोषण को दूर करने खानपान से संबंधित आवश्यक सलाह भी दिया गया। शिविर में जिले के लगभग 150 से अधिक बच्चों का वजन माप,वृद्धि चार्ट एवं आवश्यक मापदण्डों में पंजीयन किया गया। इस आधार पर डॉ भट्टर ने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच कर आवश्यक ईलाज एवं देखभाल के लिए सुझाव दिया। स्वास्थ्य टीम द्वारा नि:शुल्क दवाईयों का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर दो माह से 15 वर्ष तक के बच्चों के बेहतर देखभाल एवं पौष्टिक आहार की जानकारी से संबंधित पुस्तिका का विमोचन कलेक्टर श्री उइके सहित अतिथियों द्वारा किया गया।कार्यक्रम में अपर कलेक्टर नवीन भगत,जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अशोक पाण्डेय

सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं मेडिकल टीम मौजूद रहे।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री उइके ने कहा कि जिले को कुपोषण मुक्त करने जिला प्रशासन तत्पर एवं गंभीर है।गंभीर कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर उन्हें विशेष पूरक पोषण आहार दिया जा रहा है। इसके अलावा अतिरिक्त आहार देने एवं ईलाज में सहायता करने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारी-कर्मचारियों से ऐसे बच्चों को गोद लेने की अपील भी की जा रही है। बच्चों को गोद लेने के लिए सभी वर्ग के लोग सामने आ रहे है। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से डॉक्टर भट्टर एवं उनकी टीम द्वारा इस मेगा हेल्थ कैम्प के आयोजन किये जाने पर डॉ भट्टर का आभार जताया। साथ ही डॉक्टरों द्वारा बच्चों की बेहतर देखभाल के लिए दिये गये सलाह का पालन करने का आग्रह शिशुवती माताओं से किया।इस अवसर पर डॉ.अशोक भट्टर ने कहा कि मेगा हेल्थ कैम्प जिला प्रशासन की विशेष पहल है। इस शिविर में शामिल होकर हमारी टीम ने समाज सेवा में भागीदारी निभाई है। उन्होंने शिविर में शामिल होकर खुशी जताते हुए कहा कि बच्चों के ईलाज के लिए हम सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। सेवा के लिए हमारी टीम सदैव तत्पर रहेंगे। साथ ही शिविर में बच्चों का किये गये स्वास्थ्य जांच एवं ईलाज का फॉलोअप भी करते रहेंगे।उन्होंने कहा कि कुपोषण बच्चों की बीमारी का जड़ होता है।इसलिए इसको दूर करने विशेष ध्यान देना चाहिए। कुपोषण से लड़ाई में पोषण आहार की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।उन्होंने शिशुवती महिलाओं को सभी उम्र के बच्चों के लिए आवश्यक पोषण आहार की जानकारी देते हुए निर्देशों का पालन करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में डीपीओ पाण्डेय ने बताया कि गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की स्थिति के स्वास्थ्य में सुधार लाने के उद्देश्य से जनप्तिनिधियों,अधिकारी कर्मचारियों,शिक्षकों,गणमान्य नागरिकों, समाजसेवी संस्थाओं,स्वयंसेवी संस्थाओं, व्यापारी संगठनों,मीडिया प्रतिनिधियों के द्वारा गंभीर कुपोषित बच्चों को उत्साह पूर्वक गोद ले रहे है,ताकि जिले के कोई भी बच्चे कुपोषित न रहे।इसके तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हांकित बच्चों की उचित देखभाल एवं 6 माह तक निर्धारित पौष्टिक सामग्री उपलब्ध कराने हेतु सहमति प्रदान कर रहे है।उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चिन्हांकित बच्चों को नियमित रूप से पौष्टिक आहार,स्वास्थ्य जांच और निगरानी प्रदान की जाएगी।उन्होंने बताया कि जिले 920 गंभीर कुपोषित बच्चे है, जिसमें से अधिकतर बच्चों को गोद ले लिया गया है।जिले में कुपोषण की दर को कम करने के लिए अगली कड़ी में रविवार 27 जुलाई को छुरा में मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.अशोक भट्टर एवं उनके टीम द्वारा जिले के कुपोषित बच्चों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

मंदिरों में चोरी करने वाले एक शातिर आदतन चोर को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

आरोपी को गिरफ्तार करते हुए मंदिरों में घटित चोरी के 05 सिलसिलेवार मामलों का किया गया खुलासा

आरोपी चोर द्वारा साइकिल से जगह-जगह जाकर मंदिरों में किया जाता था चोरी

भाटापारा (समय दर्शन)। विगत कई दिनों से जिले के कई मंदिरों में चोरी की घटनाएं सामने आ रही थी। इन समस्त चोरी की घटनाओं के तकनीकी विश्लेषण पर ज्ञात हुआ कि अज्ञात आदतन चोर द्वारा बहुत ही शातिर तरीके से मंदिरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है तथा तुरंत आरोपी मौके से फरार भी हो जा रहा है। इसके साथ ही उक्त घटनाओं में पुलिस द्वारा आसपास एवं मंदिरों में लगे सीसीटीवी फुटेज का भी गहन अवलोकन किया जा रहा था। कि इसी बीच दिनांक 20.07.2025 को भी थाना सिमगा क्षेत्र के ग्राम तरपोंगा स्थित मंदिर में चोरी की घटना घटित हुई। प्रकरण में थाना सिमगा में अपराध क्र. 389/2025 पंजीबध्द कर जांच विवेचना कार्यवाही प्रारंभ किया। साथ ही मंदिर एवं आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के अवलोकन

पर मंदिरों में चोरी करने वाले जिला बिलासपुर निवासी एक शातिर चोर की पहचान की गई।

मामले में पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता के कुशल निर्देशन में थाना सिमगा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी योगेश मसीह को हिरासत में लिया गया जिससे पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा सर्वप्रथम तरपोंगा मंदिर की दान पेटी को चुराना स्वीकार किया गया। साथ ही साथ थाना भाटापारा ग्रामीण, भाटापारा शहर एवं थाना नांदघाट जिला बेमेतरा स्थित मंदिरों में दान पेटी को भी चुराना स्वीकार किया गया। पूछताछ में यह भी पता चला कि *आरोपी द्वारा साइकिल में आकर मंदिर के एवं आसपास इलाको का मुआयना किया जाता था तथा रात्रि में एवं अंधेरे में मंदिर में चोरी कर आरोपी अपने सायकल से फरार हो जाता था।

इस प्रकार पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार कर मंदिरों में चोरी के कुल 05 मामलों का खुलासा किया गया है। इस दौरान पुलिस द्वारा आरोपी से ?51,000 मूल्य के आभूषण, नगदी ?4500 एवं घटना में प्रयुक्त एक साइकिल भी बरामद किया गया है। संपूर्ण प्रकरण में आरोपी से कुल ?60,500 कीमत मूल्य का सामान बरामद करने में सफलता मिली है। आरोपी के विरुद्ध जिला बिलासपुर में चोरी के कुल 10 मामले भी पंजीबद्ध है।आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समस्त प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की जा रही है।

आरोपी योगेश मसीह उम्र 54 वर्ष निवासी ग्राम परसदा थाना चकरभाठा जिला बिलासपुर

जप्त संपत्ति का विवरण

1. चांदी का छात्र कीमती ?25,000
2. सोने का नथनी कल कीमती ?25,000
3. चांदी का दो जोड़ी बिछिया ?1000
4. नगदी ?4500
5. घटना में प्रयुक्त साइकिल ?5000

TATA MEMORIAL CENTRE
ADVANCED CENTRE FOR TREATMENT, RESEARCH AND EDUCATION IN CANCER (ACTREC)
SECTOR-22, KHARGHAR, NAVI MUMBAI 410 210
Grant-In-Aid Institution of Department of Atomic Energy, Government of India
POSITIONS AVAILABLE

Advertisement No.: ACTREC/ADVT/A-11/A-12/2025 22/07/2025

ACTREC invites applications for the following posts as approved by competent authority:

Sr. No.	Name of the post
1	Assistant Professor 'E' (Pathology) (1-UR)
2	Consultant 'D' (Pathology) (2-UR)
3	Scientific Officer 'E' (Transplant Immunology and Immunogenetics Laboratory) (1-UR)
4	Scientific Officer 'C' (Center for Cancer Epidemiology) (1-OBC)
5	Scientific Officer 'C' (Information Technology - Networking) (1-OBC)
6	Scientific Assistant B (Nuclear Medicine) (1-UR, 1-SC, 1-OBC)
7	Scientific Assistant 'B' (Cancer Cytogenetic Lab) (1-OBC)
8	Scientific Assistant B (Animal Sciences) (1-UR)
9	Co-ordinator B (Medical Purchase/Stores) (1-OBC)
10	Co-ordinator B (Medical Administration) (1-SC)
11	Technician 'A' (CRI Labs) (4-UR)

Online registration of applications made available from 22/07/2025 to 22/08/2025.
Last date for online application is 22/08/2025 up to 05.30 p.m. (Indian Standard Time).
For more details please visit our website https://actrec.gov.in
It is mandatory to submit ONLINE application.
Any addendum or corrigendum to this advertisement will be uploaded on above website.

Chief Administrative Officer, ACTREC

cbc48160/12/0001/2526

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

दुर्ग, दिनांक 15.07.2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 04.08.2025 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
130/दुर्ग (दुर्ग)/2025	चंदुलाल चंद्राकर स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल भवन कचांदुर में डिपाजिट कार्य	30.87
131/ दुर्ग (दुर्ग)/2025	जिला दुर्ग के अंतर्गत ब्लॉक धमधा के देवरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य	104.07
132/दुर्ग (दुर्ग)/2025	जिला दुर्ग के अंतर्गत ब्लॉक धमधा के खिलोराकला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का निर्माण कार्य	104.50
133 / दुर्ग (बालोद) / 2025	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत पुल-पुलियों में विशेष मरम्मत का कार्य	29.90
134 / दुर्ग (बालोद)/2025	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 02 बालोद के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत एवं लघु मूल गौण का कार्य	22.00
135/ दुर्ग (बालोद) / 2025	लोक निर्माण विभाग, अनुविभाग क्रं. 01 बालोद के अंतर्गत अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय भवन का निर्माण कार्य	61.84
136/ दुर्ग (बालोद)/2025	लोक निर्माण विभाग, बालोद संभाग के अंतर्गत नये संभागीय कार्यालय भवन का निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित	174.71
137 / दुर्ग (बेमेतरा) / 2025	नवागढ़ उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में बी. टी. पेंच रिपेयर कार्य	25.00
138/ दुर्ग (राज.)/2025	माड़ीतराई वि.ख. डोंगरगढ में हाई स्कुल भवन का निर्माण कार्य	69.33
139/ दुर्ग (खैरागढ़)/2025	नवीन जिला खैरागढ छुईखदान गण्डई के जिला पशुधन विकास कार्यालय का भवन का निर्माण कार्य	62.95

टीप - 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है। 2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष - 0788-2210876

G-252602348/1

संक्षिप्त-खबर

पाटन ब्लॉक के सभी क्रेशर और पत्थर खादान संचालकों को खनिज विभाग ने जारी किया निर्देश, माइनिंग प्लान के तहत करे यह काम

पाटन (समय दर्शन)। पाटन ब्लॉक के सभी पत्थर खादान, क्रेशर संचालकों को अपने खादान क्षेत्र में पौधारोपण करने का निर्देश जारी किया है। जानकारी के मुताबिक माइनिंग प्लान के तहत पौधा लगाने के जितने लक्ष्य दिया गया है उसके अनुसार पौधारोपण कर सेल्फी लेकर खनिज विभाग को भेजना भी पड़ेगा। बता दे कि कुछ खादान में पहले से ही पौधारोपण किया जा रहा है। लेकिन कई खादान और क्रेशर संचालक ऐसे है जो कि खनिज विभाग के निर्देशों को अनदेखा कर रहे है। जिसे लेकर स्पष्ट निर्देश दिए है कि पौधारोपण तत्काल करे। एक पेड़ मां के नाम भी पौधा लगाने का निर्देश दिए है। पाटन ब्लॉक के ग्राम पटोरा, मुड़पार, चुन कट्टा, सेलूद, स्वद्धश्वह्व, गोडपेंडरी, छाटा, गुढियारी, परसाहि सहित अन्य गांवों ने सबसे ज्यादा चुना पत्थर खादान और क्रेशर संचालित है। इनमें सभी संचालकों की पौधारोपण अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए है।

सत्य के प्रतीक जैतखाम का किया स्थापना, खम्हारिया में पूजा अर्चना कर किया मंगल आरती

पाटन (समय दर्शन)। परम पूज्य गुरु घासी दास बाबा जी का समस्त ग्रामवासी खम्हारिया सतनाम समिति आज एक नए जगह जयस्तंभ गुरु बाबा का प्रतीक चिन्ह स्थापित किए गए। इस अवसर पर जिसमें ग्राम सरपंच प्रतिनिधि थानेश्वर यदु और समाज के वरिष्ठ नागरिक राजेंद्र देशलहरे ,मदन देशलहरे , टोमेश टंडन, दिनेश बंघेल ,गणपत बंघेल ,उमेश देशलहरे ,उमाकांत डायरे ,कृष्ण महिलांग एवं सभी समाज के लोग शामिल हुए।।

एकलव्य खो खो संघ में किया पौधारोपण

पाटन (समय दर्शन)। एकलव्य खो खो संघ के पदाधिकारियों और समस्त खिलाड़ियों के द्वारा छत्तीसगढ़ के सबसे पहले त्योहार हरेली के दिन 300 पौधों का वृक्षारोपण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष टीकाराम साहू जी सचिव अनुज साहू जी सदस्य प्रख्यात पंडवानी गायक श्री चेतन देवांगन जी जनपद सदस्य श्री शैलेश साहू जी सदस्य प्रधानाचार्य श्री चेलाराम साहू जी व एकलव्य खोटुखो के कोच गजेन्द्र यादव जी सदस्य पवन साहू पवन मानिक पुरी मानसी ठाकुर डाली यादव नारद यादव डाली ठाकुर कंचन साहू अंजली यादव भारती ,हेमा ठाकुर लक्ष्मी साहू प्राची यादव कुमकुम देवांगन नुतन ठाकुर मोहित पाल हरिश निषाद पुनेन्द्र साहू टिकेश्वर साहू कामेश साहू डालेन्द्र निषाद मनीश यादव भुनेश्वर पटेल जयंत साहू निखिल यादव मनीश साहू विकास पटेल अकुस यादव नागेश ठाकुर सम्मिलित हुए।

तरीघाट से निकली कांवरियों का जत्था, गरियाबंद के भूतेश्वर महादेव में चढ़ाएंगे जल, सरपंच चंद्रिका साहू ने किया रवाना

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम तरीघाट से बोल बम कांवरियों का एक जत्था आज रवाना हुई। ये कांवरिया खारुन का जल लेकर गरियाबंद जिले के भूतेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे सरपंच चंद्रिका साहू ने पूजा अर्चना कर कांवरियों के जत्था को रवाना किया। इस अवसर पर सरपंच चंद्रिका साहू, उपसरपंच प्रकाश गोस्वामी, रोहित बन पूर्व उपसरपंच नंदनी गोस्वामी भानु साहू केजू राम साहू चंदू गोस्वामी हिमांशु टंडन केतन साहू सन्नी निर्मलकर जीतू निषाद भूपेंद्र गोस्वामी तामेश्वर साहू डोमेश सिन्हा कोमल बन सहित अन्य मौजूद रहे।

मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु संपर्क केंद्र के माध्यम से पंचायतों का किया गया संवेदीकरण

बलौदाबाजार, (समय दर्शन) /बरसात के शुरुआत से ही मौसमी बीमारियों जैसे उल्टी -दस्त, मलेरिया, टाइफाइड पीलिया, हैजा, डेंगू के साथ-साथ सर्पदंश एवं कुत्ता काटने की घटनाएं बढ़ जाती है जिससे बचाव हेतु ईलाज के साथ लोगों को जागरूक करना जरूरी है । इसी कड़ी में कलेक्टर दीपक सोनी के निर्देश पर संपर्क केंद्र के माध्यम से कसडोल विकासखंड के सभी पंचायतों को वर्चुअल माध्यम से जोड़कर उपस्थित सरपंच, पंच, सचिव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन एवं आम जनों को जानकारी प्रदान करते हुए उनसे

संवाद स्थापित किया गया ।

संपर्क केंद्र के माध्यम से डॉ के. के. टेम्भूरने ने बताया कि इस बरसात के मौसम में मुख्य रूप से उल्टी दस्त की शिकायत ज्यादा दिखाई पड़ती है जो प्राय: दूषित जल के सेवन से होती है जिसमें लगातार पतला दस्त होता है यदि उपचार न मिले तो जान भी जा सकती है । उन्होंने पंचायतों से उपस्थित प्रतिनिधियों से उनके ग्राम की उक्त रोगों के किसी प्रकरण की जानकारी भी ली जिसमें सभी ने बताया कि आज की तिथि तक ऐसे कोई प्रकरण नहीं हैं । इसके अलावा इस मौसम में सर्पदंश की भी शिकायत मिलती है। सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक कर के समय नहीं व्यर्थ करना चाहिए इससे विष शरीर में तेज़ी से फैलता है और ख़तरा बढ़ जाता है। ऐसे मौसम में कुत्ते काटने के केस भी दिखते हैं। सर्प और कुत्ते दोनों के काटने की स्थिति में तत्काल अस्पताल में संपर्क करने की सलाह दी गई।डॉ. टेम्भूरने ने सभी को अपने आस- पास सफाई रखने,साफ जल और ताज़ा भोजन करने की सलाह दी । उल्टी दस्त सहित अन्य किसी प्रकरण में स्वास्थ्य कर्मियों से संपर्क करने को कहा गया ।

आज से श्रीराम जानकी मंदिर बसना मे सरस संगीतमय श्री राम कथा

- नौ दिवसीय श्री राम कथा का भव्य आयोजन

बसना (समय दर्शन)। बसना नगर के हृदय स्थल श्री राम जानकी मंदिर बसना मे आज दिनांक 26जुलाई 2025 से 03अगस्त 2025तक नौ दिवसीय सरस संगीतमय श्री राम कथा का भव्य आयोजन श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना तथा नगरवासियों एवं क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त वृन्द जनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने जा रहा है।

श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना के सचिव अभय धृतलहरे ने बताया कि, मंदिर समिति बसना के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल जी के मन मे उत्कंठा था कि ,जैसे ही अयोध्या में भगवान श्री राम जी का भव्य मंदिर बनने व वहां प्रभु श्री राम जी का प्राण प्रतिष्ठा पश्चात बसना की पावन धरा मे भी प्रभु श्री राम जी की पावन कथा बसना नगर व क्षेत्र वासियों को सुनने को मिले।

उनके इस पुनित भाव को चरितार्थ करने श्री राम जानकी मंदिर समिति बसना स्थित राधाकृष्ण मंदिर के अर्चक पुरोहित संदीप शास्त्री(कथा आचार्य) ने मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ.सम्पत अग्रवाल एवं सभासदों के सानिध्य मे इस पुनीत, पावन व दिव्य कथा आयोजन के लिए आगे आकर बीड़ा उठाया।

नगर के भक्त वृन्दो की सहयोग से यह दिव्य व अलौकिक , सरस व संगीतमय श्री राम कथा भक्त वृन्दो को पूरे नौ दिन तक सुनने को मिलेगा। आज से श्री राम कथा की गंगा बसना मे बहने जा रही है।

इस कथा के कथाव्यास प्रयागराज पीठाधीश्वर श्रीमद्जगद्गुरू रामानुजाचार्य स्वामी श्री धर्माचार्य जी महाराज श्री बैकुण्ठ धाम आश्रम आलोपीबाग प्रयागराज जी अपने श्री मुख से श्री राम कथा का दिव्य कथा अमृत का रसपान करायेंगे।

आज दिनांक 26जुलाई की प्रात:8:30 बजे भक्तिमती माताएँ व श्रद्धालु भक्तवृंद गायत्री मंदिर पदमपुर रोड पहुँचे, जहाँ से विधिवत इस पुण्यदायी आयोजन हेतु कलश यात्रा का श्री गणेश होना है।

प्रतिदिन संध्या कालीन सत्र में 3बजे से 7बजे तक सरस ,संगीतमय श्री राम कथा काभव्य आयोजन होगा ।

श्री रामजानकी मंदिर समिति बसना ने

नगर व क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से अपील किया है कि, इस परम दुर्लभ सरस,संगीतमय कथा श्रवण कर जीवन धन्य बनाने सपरिवार सादर आमंत्रित हैं ।

छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025-26 के आयोजन में भाग लेंगे महासमुन्द के प्रतिभागी

- राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के लिए जिले की पुरुष टीम रायगढ़ रवाना

महासमुन्द (समय दर्शन)। 6वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय योगासन स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का आयोजन दिनांक 25 से 27 जुलाई तक ओ पी जिंदल यूनिवर्सिटी रायगढ़ में आयोजित किया गया है जिसमें महासमुंद जिले की पुरुष टीम शामिल हैं। महासमुंद जिले से अमन साहू, कुंदन साहू, अजय पटेल, आदर्श गुप्ता, प्रकाश टंडन, हिमांशु साहू, विजय पटेल, दिव्यांशु पटेल, उमेश निषाद, यश कुर्रे, दीपेश, भरत साहू, ओंकार साहू, जिज्ञासु साहू, वरुण निषाद, देवेंद्र कुमार, संदीप पटले शामिल होंगे। चैंपियनशिप में शामिल होने जिले से सुबह टीम रवाना हुई। खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन करने जिला योगासन स्पोर्ट्स संघ अध्यक्ष लक्ष्मण पटेल, खेल अधिकारी मनोज धृतलहरे, प्राचार्य हेमेंद्र आचार्य, उपाध्यक्ष हिरेंद्र देवांगन, सचिव गणेश राम कोसरे, कोषाध्यक्ष सेवन दास मानिकपुरी, हिरेंद्र साहू, छन्नू साहू,

वेदराम, नीलम साहू, प्रभा साहू, वैशाली ठाकुर, कामता साहू, तृषा शर्मा, इंद्राणी भास्कर, अंजनी साहू, सत्यनारायण दुर्गा, रामेश्वरी दीवान, तोरण यादव ने शुभकामनाएं दीं।

बार नयापारा में जलभराव से स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा

- बुनियादी सुविधा के अभाव से जूझता बार क्षेत्र

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा क्षेत्र के शरहद पर बसा बार नयापारा अभ्यारण्य राज्यभर में अपनी जैव विविधता, वन्य जीवों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है। यह अभ्यारण्य पर्यावरण प्रेमियों, शोधकर्ताओं और पर्यटकों के लिए एक अहम स्थल है। वहीं इससे कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर स्थित पौराणिक धार्मिक स्थल तुरतुरिया भी श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। इन दो महत्त्वपूर्ण स्थलों के बीच स्थित ग्राम बार, इन दिनों एक बड़ी समस्या जलभराव और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और वन परिक्षेत्र कार्यालय जलभराव की चपेट में- बार नयापारा चौक से पकरीद-देवपुर मार्ग की ओर बढ़ते ही सड़क के दोनों ओर अत्यधिक मात्रा में पानी जमा दिखाई देता है। इसी मार्ग पर स्थित हैं — वन परिक्षेत्र कार्यालय, एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बार।

ये दोनों संस्थान क्षेत्रीय जरूरतों के लिए बेहद अहम हैं। वन विभाग का कार्यालय अभ्यारण्य प्रबंधन और पर्यावरणीय निगरानी के लिए जिम्मेदार है, वहीं स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों के लिए प्राथमिक चिकित्सा का एकमात्र सहारा है। मगर इन संस्थानों के ठीक सामने गंदा पानी और कीचड़ का जमाव बना हुआ है, जिससे इन तक पहुंचना मुश्किल हो गया है।

मौसमी बीमारियों के खतरे से चिंतित ग्रामीण - स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जलभराव की स्थिति पिछले कई महीनों से बनी हुई है, लेकिन अब बारिश के मौसम में यह और गंभीर हो गई है। गंदा पानी जमा रहने के कारण मच्छरों, मक्खियों और अन्य रोग फैलाने वाले कीटों की संख्या बढ़ रही है।

एक ग्रामीण महिला ने कहा- हम बीमार होकर इलाज कराने अस्पताल आते हैं, लेकिन यहां कीचड़ और बदबू देखकर तो और डर लगने लगता है। अगर यही हाल रहा, तो बीमारी ठीक होने की बजाय और बढ़ जाएगी।

स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति दयनीय- स्वास्थ्य केंद्र परिसर में न सफाई व्यवस्था है, न ही जलनिकासी की समुचित व्यवस्था। स्टाफ को भी आने-जाने में परेशानी होती है। बारिश के बाद सड़कें फिसलन भरी हो जाती हैं, जिससे मरीजों और गर्भवती महिलाओं के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

प्रशासन मौन, समाधान का अभाव- स्थानीय लोगों ने इस संबंध में कई बार पंचायत और जनप्रतिनिधियों को शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। नालियों की सफाई, जलनिकासी योजना या सड़क मरम्मत की कोई योजना दिखाई नहीं दे रही है।

क्या प्रकृति और मानव स्वास्थ्य की रक्षा सिर्फ कागजों तक सीमित है?

यहाँ बुनियादी सुविधा भी देखने को नहीं मिलती । एक ओर सरकारें पर्यावरण और स्वास्थ्य पर करोड़ों रुपए का बजट बनाती हैं, तो दूसरी ओर राज्य के एक संरक्षित अभ्यारण्य के पास बुनियादी समस्याओं से लोग जूझ रहे हैं। धार्मिक स्थल तुरतुरिया तक जाने वाले श्रद्धालु भी इसी मार्ग से गुजरते हैं, जिससे यह समस्या बाहरी आगंतुकों के सामने भी उजागर होती है।

ग्रामीणों की अपील- प्रशासन को इस दिशा में त्वरित और ठोस कदम उठाने चाहिए। स्वास्थ्य केंद्र और वन विभाग जैसे महत्त्वपूर्ण कार्यालयों के आसपास की स्थिति में सुधार अत्यावश्यक है। नहीं तो यह क्षेत्र, जो छत्तीसगढ़ की पहचान माना जाता है, एक उदाहरण नहीं, चेतावनी बनकर रह जाएगा।

प्रस्तावित शराब दुकान का विरोध करने खुडमुड़ा के ग्रामीण पहुंचे एसडीएम कार्यालय

बलराम यादव

पाटन। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के खुडमुडा वार्ड क्रमांक पांच में खारुन नदी के समीप शराब दुकान खोलना प्रस्तावित है। नदी के पास खुडमुडा वासीयों का निस्तारी, श्मशान घाट एवं प्राचीन शिव मंदिर है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त क्षेत्र में शराब दुकान खोले जाने से अपराध और असामाजिक गतिविधियों में वृद्धि होगी। युवाओं और बच्चों पर शराब का दुष्प्रभाव होगा एवं क्षेत्र की सामाजिक व सांस्कृतिक स्थिति में गिरावट होगी। इसलिए शराब दुकान खोलने का विरोध कर रहे है। निकाय चुनाव से पहले भी शराब दुकान खोलने की तैयारी थी लेकिन ग्रामीणों का विरोध को देखते हुए शासन प्रशासन को अपना फैसला बदलना पड़ा। अब चुनाव हो जाने के बाद फिर से शराब दुकान खोले जाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। शराब दुकान खोले जाने की खबर लगते ही छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के पदाधिकारी भी एसडीएम कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों की मांग का समर्थन करते हुए शराब दुकान खोले जाने का विरोध किया गया।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद अमलेश्वर अध्यक्ष दयानंद सोनकर, धर्मेंद्र सोनकर, सहित पार्षद और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोकड़ीवासी पुल के अभाव में रपटा पार आते जाते है ब्लाक मुख्यालय सरायपाली

सरायपाली(समय दर्शन)। सरायपाली ब्लॉक मुख्यालय से महज 4-5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम पंचायत भीखापाली के आश्रित ग्राम कोकड़ी के निवासियों के लिए बरसात के तीन माह अत्यधिक पीड़ादायक होता हैं।

गांव से शहर आने के मार्ग मे एक नाला है। जिसमें बरसात के समय पानी भरने बहने के कारण कोकड़ी के ग्रामीणों का शहर व स्वयं के ग्राम पंचायत से ही संपर्क पूरी तरह टूट जाता है।

विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए शहर आना हो, या किसी मरीज को इलाज के लिए शहर लाना हो, उन्हें जान जोखिम में डालकर नाला पार करना पड़ता है।

कमर कमर तक पानी रे : विगत कई वर्षों से यहां पुल की मांग कर रहे कोकड़ी के ग्रामीणों में शासन प्रशासन की अनदेखी को लेकर काफी आक्रोश देखा जा रहा है। शहर मुख्यालय से लगभग 4 किलोमीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत भीखापाली स्थित है। इसी पंचायत के आश्रित ग्राम कोकड़ी की दूरी भी पंचायत से लगभग एक किलोमीटर है। दोनों के मध्य एक नाल पड़ता है, जिसमें बरसात के दिनों में पानी का बहाव होने पर दोनों गांवों का संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। कमर भर पानी से गुजरकर आते जाते हे लोग।

इसके अलावा कोकड़ी से सरायपाली की ओर आने के लिए भी यह एक प्रमुख मार्ग है, वो बरसात के दिनों में बंद हो जाता है।

मजदूर विद्यार्थी कर्मचारी आदि कई लोगों को प्रतिदिन विभिन्न कार्यों से शहर अआना पड़ता है, जिन्हें बरसात के दिनो में अधिक परेशानी होती है। यदि आवश्यक हो तो ग्रामीणों को बहुत अधिक दूरी तय करके दुसरे मार्ग से सरायपाली की ओर आना

पड़ता है।

लेकिन वह घुमावदार मार्ग भी बरसात में विशेष सुरक्षित नहीं रहता है। यही कारण है कि किसी भी परिस्थिति में ग्रामीण इसी मार्ग का ही उपयोग करते है। सबसे अधिक परेशानी मिडिल हाई स्कूल पढ़ने वाले विद्यार्थियों को होती है, जो बरसात के समय में कई दिनों तक स्कूल आने से ही बंचित रह जाते है। नाला में पानी रहने पर कई बार स्कूली विद्यार्थियों सहित ग्रामीणों को भी जान जोखिम में डाल कर नाला पार करना पड़ता है। वहीं गांव में किसी का स्वास्थ्य अधिक खराब होने पर उस व्यक्ति को इलाज के लिए खाट पर बैठाकर नाला पार करवाया जाता है। कोकड़ी के ग्रामीणों ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व नला पार कर आवागमन के लिए ग्रामीणों के प्रयास से ही छोटा रपटा बनाया गया था, लेकिन तेज बारिश आने पर वह बह गया उक्त नाले में रपटा पुल बनाने के लिए उनके द्वारा कई बार प्रशासन व जन प्रतिनिधियों में मांग की गई , लेकिन नतीजा शून्य ही रहा है।

चुनाव बहिष्कार की बात पर मिला था आश्वासन : कोकडी के ग्रामीणों ने बताया कि उक्त नाले में पूल निर्माण की मांग को लेकर कुछ वर्ष पूर्व क्षेत्र के ग्रामीणों के द्वारा चुनाव बहिष्कार की बात भी कहीं गई थी, जिस पर ग्रामीणों को पल निर्माण का आश्वासन दिया गया था। लेकिन उसके बाद भी किसी प्रकार का सज्ञान नहीं लिया गया। वर्तमान में पुन: मानसून का आगमन हो चुका है और आने वाले कुछ ही समय में कोकडी के ग्रामीणों को एक बार फिर उन सभी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। इसे देखते हए ग्रामीणों के द्वारा शासन प्रशासन से इस ओर विशेष ध्यान देने और ग्रामीणों की समस्याओं को देखते हए नाले में पुल अथवा रपटा बनवाने की मांग की जा रही है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26